mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-181 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

03 जुलाई 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

संन्यास से पहले ...

@ पेज 7

भारत और ब्राजील के बीच हो सकता है बड़ा रक्षा समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मेक फॉर वर्ल्ड इस समय भारतीय शस्त्र व्यवस्था को मज़बूत बना रहा है। इसलिए भारतीय हथियारों को अब कई देश ख़रीदना चाहते हैं। इस कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का

● द्विपक्षीय वार्ता के दौरान लग सकती है मुहर

ब्राज़ील दौरा बेहद ख़ास होने वाला है। इस दौरान दोनों देशों के बीच एक बड़े रक्षा समझौते पर मुहर लग सकती है।

पीएम मोदी की ब्राजील समेत पांच देशों की एक सप्ताह की यात्रा में ब्राजील एक अहम पड़ाव साबित होनेवाला है। इस यात्रा का मुख्य केंद्र बिंदु ब्राज़ील के शहर रियो डी जनेरियो का दौरा होगा, जहां वह छह और सात जुलाई को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके साथ ही पीएम मोदी ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ भी व्यापक वार्ता करेंगे। इसमें रक्षा सौदा भी अहम होगा। दोनों देश रक्षा सहयोग बढ़ाने पर बात करेंगे।

दरअसल, ब्राजील भारत से रक्षा उपकरण खरीदना चाहता है। इनमें आकाश एयर डिफेंस सिस्टम और गरुड़ आर्टिलरी गन शामिल हैं। इस दौरान साझा रिसर्च और टेक्नोलॉजी का आदान-प्रदान भी होगा। ब्राजील युद्ध के मैदान में सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम चाहता है। इसमें संयुक्त रिसर्च, टेक्नोलॉजी का आदान-प्रदान और ट्रेनिंग शामिल है। ब्राजील कुछ खास चीजों में दिलचस्पी दिखा रहा है। उन्हें युद्ध के मैदान में सुरक्षित कम्युनिकेशन सिस्टम, अपतटीय गश्ती पोत और स्कॉर्पीन पनडुब्बियों को बनाए रखने में भारत की मदद चाहिए। इसके अलावा, ब्राजील आकाश एयर डिफेंस सिस्टम, तटीय निगरानी प्रणाली और गरुड़ आर्टिलरी गन में भी रुचि दिखा रहा है।

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी 5 से 8 जुलाई तक ब्राजील में रहेंगे। इसके बाद वह घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना और नामीबिया भी जाएंगे। पीएम मोदी ने ब्राजील समेत पांच देशों की एक सप्ताह की यात्रा के लिए रवाना होते समय कहा कि भारत उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में ब्रिक्स को लेकर प्रतिबद्ध है। ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। बाद में मिस्त्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को भी इसमें शामिल कर इसका विस्तार किया गया।

पीएम मोदी ने प्रस्थान के समय अपने बयान में कहा, ''हम मिलकर एक अधिक शांतिपूर्ण, समतापूर्ण, न्यायसंगत, लोकतांत्रिक और संतुलित बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था बनाने के लिए प्रयासरत हैं।'' मोदी ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने और 'ग्लोबल साउथ' के कई प्रमुख देशों के साथ भारत के संबंधों को प्रगाढ़ करने के लिए पांच देशों की यात्रा कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जैसे ही उड़ने वाला था विमान नजर आ गया खतरनाक सांप

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की एक घरेलू उड़ान में उस वक्त हड़कंप मच गया जब विमान में सांप नजर आया। विमान में सांप नजर आने के बाद फ्लाइट की उड़ान में दो घंटे की देरी हुई। सांप विमान में सामान रखने वाले स्थान पर पाया गया था। अधिकारियों ने बुधवार को इस घटना के बारे में जानकारी दी है। राहत की बात यह रही कि मामले को समय रहते ही संभाल लिया गया और किसी भी यात्री को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। स्नेक कैचर मार्क पेले के अनुसार, मंगलवार को जब यात्री ब्रिस्बेन जाने वाली वर्जिन ऑस्ट्रेलिया की उड़ान वीए337 में मेलबर्न हवाई अड्डे पर चढ़ रहे थे, तब सामान रखने वाले स्थान पर एक सांप पाया गया। पेले के मुताबिक करीब दो फीट वाला हरे रंग का यह सांप जहरीला नहीं

था। उन्होंने कहा कि जब वह अंधेरे में उसके पास पहुंचे तो उन्हें लगा कि यह जहरीला हो सकता है। पेले ने कहा, ÷जब मैंने सांप को पकड़ा, तब मुझे एहसास हुआ कि यह जहरीला नहीं था। उस समय तक, यह मुझे बहुत खतरनाक लग रहा था। दुनिया के ज्यादातर जहरीले सांप ऑस्ट्रेलिया में पाए जाते हैं। विमानन कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि उड़ान में कुछ समय की देरी हुई। हालांकि, इस घटना में यात्री पूरी तरह सुरक्षित रहे। चूंकि इस तरह के सांप ब्रिसबेन क्षेत्र में पाए जाते हैं, इसलिए पेले का अनुमान है कि यह किसी यात्री के सामान के अंदर से आया होगा। सांप को पकड़ने के बाद जब विशेषज्ञों ने जांच की तो पाया कि यह ग्रीन ट्री स्नेक था। शुरू में इसके जहरीला होने की आशंका के चलते मामले को गंभीरता से लिया गया और एहतियात के तौर पर फ्लाइट की उड़ान को रोक दिया गया।

पाकिस्तानी वेबसाइट्स और सोशल मीडिया अकाउंट्स पर बैन हटा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सख्त कदम उठाते हुए तमाम पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट भारत में बैन कर दिए थे। अब पाकिस्तानी कलाकारों के सोशल मीडिया अकाउंट से बैन हट चुका है। हालांकि, प्रतिबंध हटाने के संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। हानिया आमिर और माहिरा खान जैसे कई सेलेब्स के अकाउंट अब भी रिस्ट्रिक्ट हैं। बॉलीवुड फिल्म

सनम तेरी कसम में नजर आ चुकीं पाकिस्तानी एक्ट्रेस मावरा होकैन का इंस्टाग्राम अब भारत में एक्टिव दिख रहा है। उनके अलावा सबा कमर, युमना जैदी, दानिश तैमूर, अहद रजा मीर जैसे कलाकारों के अकाउंट भी एक्टिव हो चुके हैं। दिलजीत दोसांझ के साथ फिल्म सरदार जी 3 में नजर आई एक्ट्रेस हानिया आमिर का इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में रिस्ट्रिक्ट है। अकाउंट खोलने पर लिखा मिलेगा, अकाउंट भारत में मौजूद नहीं है। हानिया के अलावा फवाद खान, माहिरा खान, अली जफर और आतिफ असलम के अकाउंट भी उपलब्ध नहीं हैं। बता दें कि, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार की लीगल रिक्वेस्ट के चलते पाकिस्तानी कलाकारों के अकाउंट रिस्ट्रिक्ट किए गए थे। इसके अलावा गृह मंत्रालय की सिफारिश पर भारत सरकार ने 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर बैन लगा दिया था। इन चैनलों पर भारत, भारतीय सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ, सांप्रदायिक और भ्रामक खबरें फैलाने के आरोप थे। गौरतलब है कि, साल 2016 में हुए उरी अटैक के बाद सभी पाकिस्तानी कलाकारों के भारत में काम करने पर बैन लगा दिया गया था।

दिल्ली में पुराने वाहनों को ईंधन देने पर बैन, कैमरे से निगरानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 10 पुराने डीजल वाहनों और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर सरकार ने एक्शन लेना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में मंगलवार को ये जानकारी सामने आई थी कि दिल्ली में 1 जुलाई के बाद से इस तरह के पुराने वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। कुछ लोगों द्वारा इस फैसले का स्वागत किया जा रहा है। वहीं कुछ लोगों ने इसे लेकर अपनी नाराजगी भी व्यक्त की है। नई नीति के तहत दिल्ली में 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों और 10 साल से पुराने डीजल वाहनों को पेट्रोल या डीजल पेट्रोल पंपों पर नहीं दिया जाएगा। इसके लिए सभी पेट्रोल पंप्स पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। दरअसल दिल्ली में वायु प्रदूषण रोकने लिए ये फैसला लिया गया है। दिल्ली सरकार द्वारा लिए गए इस फैसले के बाद वाहनों के मालिकों में इसे लेकर नाराजगी है। इसी कड़ी में रितेश गंडोत्रा नाम के एक शख्स ने अपनी पूरी कहानी एक्स पर साझा की है। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, ÷मेरी कार अपने 8वें साल में है। यह डीजल वाहन है जिसका सावधानीपूर्वक रखरखाव किया गया है और यह कार ओडो पर सिर्फ 74,000 किमी चली है। कोविड के दौरान यह 2 साल तक केवल खड़ी रही। कार की लाइफ आसानी से 2 लाख किमी से अधिक का बची है।

कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार का बड़ा ऐलान

बदल दिया बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी और दो शहरों का नाम

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कैबिनेट ने बुधवार को बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी का नाम बदलकर डॉ. मनमोहन सिंह सिटी यूनिवर्सिटी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। यह देश का पहला विश्वविद्यालय है जिसका नाम पूर्व प्रधानमंत्री के नाम पर रखा गया है। यह कदम मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा 7 मार्च, 2025 को अपने बजट भाषण में की गई घोषणा के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत के लिए मनमोहन सिंह के योगदान के सम्मान में विश्वविद्यालय का नाम बदला जाएगा। विश्वविद्यालय का नाम बदलने के अलावा, राज्य सरकार ने बेंगलुरु रूरल जिले का नाम नार्थ बेंगलुरु डिस्ट्रिक्ट कर दिया है और बागे पल्ली टाउन का नाम भाग्यनगर कर दिया है।

बेंगलुरु सिटी यूनिवर्सिटी, एक सरकारी संस्था है जिसे पहले बेंगलुरु सेंट्रल यूनिवर्सिटी के नाम से जाना जाता था। यह विश्वविद्यालय 2017 में स्थापित किया गया था और 2020 में इसका नाम बदल दिया गया था। अब कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के तहत इसका नाम बदल दिया गया है। इस पहल के तहत, गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज और गवर्नमेंट आरसी कॉलेज को घटक कॉलेजों के रूप में विश्वविद्यालय के अंतर्गत लाया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पहले ही डॉ. मनमोहन सिंह के काम को समर्पित बैंगलोर विश्वविद्यालय में एक शोध और अध्ययन केंद्र स्थापित करने की योजना की घोषणा की थी। बेलगावी में बोलते हुए, शिवकुमार ने कहा था, ÷भाग्य हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि भले ही मनमोहन सिंह अब नहीं रहे, लेकिन वे राष्ट्र के लिए अपने योगदान के माध्यम से अभी भी जीवित हैं। उनकी विरासत को बदला नहीं जा सकता। बैंगलोर विश्वविद्यालय में, हम सभी छात्रों के लिए एक शोध और अध्ययन केंद्र शुरू करने जा रहे हैं ताकि वे देश के विकास के लिए उनके द्वारा किए गए सुधारों के बारे में जान सकें।

नाबालिग लड़के ने लड़की को 31वीं मंजिल से दिया धक्का

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने एक नाबालिग लड़के के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आरोप है कि लड़के ने मुंबई में 15 वर्षीय लड़की को इमारत की छत से धक्का देकर मार डाला और इसे आत्महत्या बताने की कोशिश की। आरोपी (16) और किशोरी दोनों दोस्त थे। किशोरी एक अंतरराष्ट्रीय स्कूल की छात्रा थी और मुलुंड इलाके में अपनी मां के साथ रहती थी। भांडुप पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि 24 जून को किशोरी

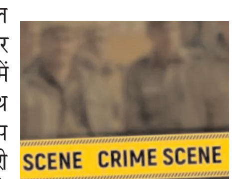

लड़के से मिलने भांडुप (पश्चिम) इलाके में एक हाउसिंग सोसाइटी में पहुंची और पढ़ाई को लेकर अपने तनाव के बारे में उससे चर्चा की। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद लड़का उसे इमारत के डी-विंग की छत पर स्थित एक पानी की टंकी के ऊपर ले गया। जब वे बातचीत कर रहे थे तभी उनके बीच 'डेटिंग' को लेकर तीखी बहस हो गई। उन्होंने बताया कि बहस के दौरान लड़के ने लड़की को कथित तौर पर धक्का दे दिया, जिससे किशोरी इमारत से नीचे गिर गई और उसकी मौत हो गई।

आधार कार्ड नहीं मिला तो बोले पैंट उतारो... ये क्या है?

कांवड़ मार्ग की घटना पर बिफरे ओवैसी

हैदराबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम के सुप्रीमो असदुद्दीन ओवैसी मुजफ्फरनगर में कांवड़ मार्ग की एक घटना पर बिफर पड़े। उन्होंने कुछ मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा कि ढाबा मालिकों से पहले पहचान की पुष्टि के लिए आधार कार्ड मांगा गया और जब आधार कार्ड नहीं मिला तो बोला गया कि पैंट उतारो। ओवैसी ने कहा कि ये क्या है? ये कौन लोग हैं? ऐसे लोगों को गिरफ्तार करना चाहिए। ओवैसी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली-देहरादून के कांवड़ मार्ग पर स्थित ढाबा मालिकों के साथ घटित घटना का उल्लेख किया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर बाइपास के पास तीन गांव हैं जहां वर्षों से कई होटल्स हैं। ये समझ नहीं आ रहा कि 10 साल पहले इन जगहों पर शांतिपूर्वक कांवड़ यात्रा गुजरती थी। लेकिन अब ऐसा क्यों हो रहा है? एक होटल पर गए और आधार कार्ड मांगा। आधार कार्ड नहीं मिला तो कहा पैंट उतारो। ओवैसी ने कहा कि बाद में मालूम हुआ कि पुलिस उन्हें नोटिस दे रही है। अरे नोटिस नहीं देना, ऐसे लोगों को गिरफ्तार करना चाहिए। ये कौन लोग हैं? क्या आप पुलिस हैं? क्या आप सरकार चला रहे हैं? ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार ऐसे लोगों को क्यों इस तरह की हरकतें करने की इजाजत दे रही है? ओवैसी ने कहा कि मेरी एक ही मांग है कि रूल ऑफ लॉ को फॉलो कीजिए। दरअसल, मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि कांवड़ मार्ग में कुछ लोग दुकान, ढाबे और होटलों में चेकिंग अभियान चला रहे हैं। इन लोगों ने एक होटल में जाकर आधार कार्ड मांगा और जब आधार कार्ड नहीं मिला तो कहा कि पैंट उतारे। इस बात को लेकर लोगों में काफी नाराजगी है।

सिद्धारमैया ने सस्पेंस खत्म किया

कहा- 'मैं 5 साल तक कर्नाटक का सीएम बना रहूंगा, इसमें कोई शक नहीं'

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सस्पेंस खत्म करते हुए कहा कि मैं पांच साल तक कर्नाटक का सीएम बना रहूंगा। इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी एकजुट है और यह सरकार पांच साल तक ÷चट्टान की तरह मजबूत÷ रहेगी। रिपोर्टर्स ने जब उनसे यह सवाल किया कि क्या वह पांच साल तक सीएम बने रहेंगे। इस पर सिद्धारमैया ने कहा कि हां मैं पांच साल तक सीएम रहूंगा। इसमें कोई शक नहीं। आपको संदेह क्यों है? उधर, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने भी कहा कि पार्टी किसी तरह का असंतोष नहीं है। राजनीतिक हलकों और खासतौर से सत्तारूढ़ कांग्रेस के अंदर सिद्धारमैया और डिप्डी सीएम डी के शिवकुमार के बीच सत्ता शेयर के फॉर्मूले का हवाला देते हुए ऐसी अटकलें लगाई जा रही थी कि प्रदेश में मुख्यमंत्री को बदला जा सकता है। हालांकि, डीके शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि नेतृत्व परिवर्तन पर कोई चर्चा नहीं हुई है और उन्होंने राज्य में सीएम सिद्धारमैया और पार्टी को मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी में असंतोष की बात गलत है।

भाजपा और जेडी(एस) नेताओं द्वारा सीएम को बदले जाने के दावों पर सिद्धारमैया ने पलटवार करते हुए कहा, ÷क्या वे हमारे हाईकमान हैं?÷ ÷आर अशोक (विधानसभा में विपक्ष के नेता) भाजपा के आदमी हैं। बी वाई विजयेंद्र (राज्य भाजपा अध्यक्ष) भाजपा के आदमी हैं। चालावाड़ी नारायणस्वामी (विधान परिषद में विपक्ष के नेता) भाजपा के आदमी हैं। अगर वे ऐसी बातें कहते हैं तो क्या आप लिखेंगे? आपको पुष्टि करनी चाहिए या नहीं?÷

सरकार की स्थिरता के बारे में झूठ फैलाने का भाजपा पर आरोप लगाते हुए सिद्धारमैया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एकजुट है और सरकार पांच साल तक ÷चट्टान की तरह मजबूत÷ रहेगी। ÷कोई भी भाजपा पर विश्वास नहीं करता।

दो बार गर्भपात..7 साल तक यौन शोषण, सुसाइड की कोशिश

दिल्ली में लव जिहाद का चौंकाने वाला मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली से एक चौंका देने वाला लव जिहाद का मामला सामने आया है। यहां मो. रेहान नामक एक युवक ने 19 वर्षीय युवती को शादी का झांसा देकर करीब 7 साल तक शारीरिक और मानसिक शोषण किया। पीड़िता की मां के मुताबिक, रेहान ने पहले प्यार का नाटक किया, फिर युवती के साथ अश्लील वीडियो बनाए और उसे ब्लैकमेल करता रहा। मामला बसंत कुंज इलाके का है। इतना ही नहीं, युवक ने युवती का दो बार गर्भपात भी करवाया, लेकिन बाद में शादी से साफ मुकर गया। इससे आहत होकर पीड़िता ने तेजाब पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। फिलहाल पीड़िता की हालत गंभीर है और वह सफदरजंग अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही है। पीड़िता की मां का आरोप है कि रेहान दूसरे समुदाय की लड़कियों को निशाना बनाकर उन्हें फंसाने का काम करता है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार

कर लिया है और आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। वहीं, रेहान की चाची ने कहा कि रेहान बचपन से हमारे साथ रह रहा है वो ऐसा लड़का नहीं है। उस पर झूठा आरोप लगाया जा रहा है अगर शादी करनी थी तो वे लोग हमसे बात करते। हम लोग उसकी शादी करवाते। अब उसने एसिड पी लिया है। आरोप हमारे बेटे पर लगा रहे हैं।

यह घटना 18 जून को तब सामने आई जब स्पाइनल इंजरी अस्पताल से एक एमएलसी (मेडिको-लीगल केस) रिपोर्ट प्राप्त हुई जिसमें कहा गया था कि एक लड़की को तेजाब पीने के बाद वहां भर्ती कराया गया। इसके बाद, पुलिस टीम अस्पताल पहुंची, लेकिन लड़की का बयान दर्ज नहीं कर पाई क्योंकि उसे अनफिट घोषित कर दिया गया था। डीसीपी (दक्षिण-पश्चिम) अमित गोयल ने कहा कि पीड़िता के घर से तेजाब की एक बोतल बरामद की गई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि लड़की रेहान नाम के एक व्यक्ति के साथ रिश्ते में थी और इससे उसे भावनात्मक परेशानी हुई। लड़की ने घर पर अकेली होने पर आत्महत्या करने का प्रयास किया। शाम करीब 4.45 बजे एक पड़ोसी ने उसे दर्द में देखा और अस्पताल पहुंचाया। 20 जून को उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे आगे के इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया।

मां की हत्या करने के बाद शख्स ने किया सुसाइड, ट्रेन के आगे कूदा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जयपुर में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने अपनी मां की बेरहमी से हत्या कर दी और फिर खुद भी सुसाइड कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पहले चाकू से अपनी मां की गला रेत कर हत्या की। इसके बाद उसने शव को कमरे में बंद कर दिया और फिर खुद ट्रेन के सामने आ गया। पुलिस को घटना की जानकारी तब मिली, जब उन्हें रेलवे ट्रैक पर शव मिलने की सूचना मिली। जांच में मां की हत्या के बाद

आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया। फिलहाल मामले दर्ज कर पुलिस इसकी वजह जानने का प्रयास कर रही है। पुलिस के अनुसार, मृतक बेटे की पहचान अभिजीत के रूप में हुई है। पुलिस ने आशंका जताई कि उसने मुहाना थाना क्षेत्र के पार्श्वनाथ कॉलोनी में अपने किराए के फ्लैट के अंदर अपनी 68 वर्षीय मां पुष्पांजलि की गर्दन पर चाकू से वार किया। पुलिस ने बताया कि इसके बाद वह कमरे को बंद करके चला गया और रेलवे ट्रैक पर आत्महत्या कर लिया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) ललित कुमार शर्मा ने बताया कि मामला सोमवार को तब प्रकाश में आया जब जवाहर सर्किल पुलिस को ब्रेन टावर अस्पताल के पास एक व्यक्ति के ट्रेन की चपेट में आने की सूचना मिली।

प्रबंध संचालक ने भोपाल शहर की विद्युत व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर दिए जरूरी निर्देश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने भोपाल शहर अंतर्गत विद्युत संबंधी प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने मंगलवार को राजधानी भोपाल के साकेत नगर तथा बरखेड़ा पठानी क्षेत्रों में निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उपभोक्ता हितों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा रखरखाव कार्य को समय पर करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक श्री सिंघल ने विद्युत हानि कम करने तथा बारिश के दौरान होने वाले विद्युत व्यवधान को लेकर अधिकारियों से चर्चा की तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए फ्यूज ऑफ कॉल (विद्युत अवरोध को दूर करना) समय पर अटेण्ड करने के निर्देश दिए हैं। प्रबंध संचालक ने कहा है कि कंपनी के समस्त मैदानी अधिकारी अथवा कार्मिक अपने मोबाईल फोन को 24 घंटे चालू रखें और उपभोक्ताओं के आने वाले फोन अटेंड करें। बिजली उपभोक्ताओं को किसी तरह की परेशानी न हो। प्रबंध संचालक ने कॉल सेन्टर 1912, व्हाट्सएप चैटबोट तथा स्थानीय वाट्सएप ग्रुप एवं अन्य माध्यम से प्राप्त होने वाली विद्युत संबंधी शिकायतों का तत्काल समाधान करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के फायदे बताते हुए उनकी शंकाओं का समाधान करने के भी निर्देश दिए।

एमपीयूडीसी की 'लोगो' तैयार करने के लिये पुरस्कार योजना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत संचालित मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी ने क्रिएटिव इनिशिएटिव का शुभारंभ करते हुए एक शानदार 'लोगो' डिज़ाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया है। यह पहल स्र्लत्रश1 पोर्टल के माध्यम से जन-भागीदारी को प्रेरित करने और कंपनी की शहरी सुधार योजनाओं, शहरों में सीवरेज, जलापूर्ति और अन्य अधोसंरचना से जुड़े कार्यों के प्रति जागरूकता व पहचान को बढ़ावा देने के लिये की गई है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आम नागरिकों को पोर्टल पर अपना मौलिक डिज़ाइन फॉर्मेट में अपलोड करना होगा। एमपीयूडीसी द्वारा चयनित विजेताओं के लिये प्रतिष्ठित पुरस्कारों का प्रावधान किया गया है, जिसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में 11 हजार रुपये, द्वितीय 5 हजार और तृतीय स्थान के लिए 2 हजार 500 रुपये की नगद राशि शामिल है। प्रविष्टि की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2025 शाम 5 बजे तक तय की गयी है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से एमपीयूडीसी का उद्देश्य न केवल एक आकर्षक ब्रांड पहचान स्थापित करना है, बल्कि यह दर्शाना भी है कि कंपनी किस प्रकार जल प्रदाय परियोजना, सीवरेज परियोजना और नगरों से जुडे अधोसंरचना विकास कार्य करने के लिये कार्यरत है।

खाद्य विभाग की कार्यशाला 3 जुलाई को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा 02 दिवसीय कार्यशाला 3 जुलाई 2025 को पलाश रेसीडेंसी भोपाल में आयोजित की जा रही है। प्रशिक्षण में खाद्य विभाग, मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाइज कॉरपोरेशन एवं मध्यप्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉरपोरेशन के जिले एवं प्रदेश के अधिकारी और कर्मचारी सहभागिता करेंगे। कार्यशाला में अपर मुख्य सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण श्रीमती रश्मि अरुण शमी, आयुक्त श्री कर्मवीर शर्मा एवं नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक श्री अनुराग वर्मा द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा।

कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों/कर्मचारियों की कार्यक्षमता में वृद्धि, उन्हें नवीनतम नियमों, नीतियों, नवाचार, चुनौतियों तथा विभागीय कार्यप्रणालियों की जानकारी देना, जिसमें मिलिंग, भंडारण, उपार्जन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली , ई ऑफिस, ई सीआर,आईगोट जैसे विषय शामिल रहेंगे।

लोक निर्माण विभाग ने एक दिन में लगाए 2 लाख से अधिक पौधे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। हरित मध्यप्रदेश की परिकल्पना को साकार करने के लिए लोक निर्माण विभाग ने मंत्री श्री राकेश सिंह की अगुवाई में ऐतिहासिक पौधरोपण महाअभियान का शुभारंभ किया। इस एक दिन में विभाग द्वारा पूरे प्रदेश में 2 लाख से अधिक पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कीर्तिमान स्थापित किया है, जो सतत विकास और हरियाली के प्रति विभाग की सशक्त प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भोपाल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा की पौधरोपण सिर्फ औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य देने का हमारा दृढ़ संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रारंभ में जहाँ 1 लाख पौधों का लक्ष्य रखा गया था, वहीं विभाग के अधिकारियों और इंजीनियरों की प्रतिबद्धता, समर्पण और उत्साह के चलते यह संख्या बढ़कर 2 लाख से अधिक पौधों तक पहुँच गई। यह केवल एक आंकड़ा नहीं बल्कि हरित मध्यप्रदेश की दिशा में एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक उपलब्धि है जो सामूहिक प्रयासों की शक्ति को दर्शाती है।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस पौधारोपण को वैज्ञानिक पद्धति से जोड़ा गया है। प्रत्येक पौधे की सैटेलाइट मॉनिटरिंग की योजना बनाई गई है, जिसमें अहमदाबाद स्थित भास्कराचार्य संस्थान का सहयोग प्राप्त हो रहा है। इसके माध्यम से पौधों की वृद्धि और संरक्षण की डिजिटल निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। यह वृक्षारोपण सड़क किनारे, विभागीय भवन परिसरों, तालाबों एवं सार्वजनिक स्थलों पर किया गया है, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में हरियाली को बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'हरित भारत' के संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पर्यावरण-अनुकूल विकास के विजन ने मध्यप्रदेश में वृक्षारोपण और प्रकृति संरक्षण को एक जनआंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने कहा कि आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है, ऐसे समय में यह पहल प्रेरक उदाहरण बनेगी। उन्होंने आमजन, विभागीय अधिकारियों, अभियंताओं और उनके परिवारों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि लोक निर्माण विभाग अब केवल भौतिक संरचनाओं के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि जल संरक्षण, हरित तकनीकों के उपयोग और पारिस्थितिकी संतुलन को अपनी कार्यशैली में प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण से लोक कल्याण केवल एक नारा नहीं है, बल्कि विभाग की मूल कार्यनीति है, जिसमें अब पर्यावरणीय संतुलन को अनिवार्य रूप से शामिल किया गया है।

उन्होंने कहा कि विकास की तेज़ रफ्तार के साथ प्रकृति का संरक्षण अब प्रत्येक अभियंता और अधिकारी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी दृष्टिकोण से विभाग ने 'लोक कल्याण सरोवर' योजना की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत सड़क निर्माण में उपयोग हुई मिट्टी का युक्तियुक्त उपयोग करते हुए स्थायी जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इन सरोवरों को विज्ञानसम्मत ढंग से डिज़ाइन किया गया है तथा उनका सौंदर्यीकरण, वृक्षारोपण, सूचना पटल और जियो-टैगिंग की जा रही है। इस योजना के तहत 500 लोक कल्याण सरोवर बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

आयुक्त जनसम्पर्क ने संचालनालय में किया पौध-रोपण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुक्त जनसम्पर्क डॉ. सुदाम खाड़े ने मंगलवार को जनसम्पर्क संचालनालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। उन्होंने अशोक और गुलमोहर का पौधा लगाया। इस अवसर पर जनसम्पर्क के स्टाफ ने आयुक्त जनसम्पर्क को उनके जन्मदिवस के अवसर पर बधाई दी। इस दौरान अपर संचालक श्री जी.एस. वाधवा, अपर संचालक श्री संजय जैन एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

ईको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा 5 दिवसीय खानसामा एवं आतिथ्य सत्कार प्रशिक्षण संपन्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड द्वारा 5 दिवसीय खानसामा एवं आतिथ्य सत्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम होटल प्रबंधन संस्थान भोपाल में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ईको पर्यटन गंतव्य स्थलों पर कार्यरत समिति के सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कठौतिया, समरधा, सतधारा, मगरपाठ, बोदाखो, कुकरू, चारखेड़ा, रानेहफाल, खिवनी और उमरियाखेड़ा ईको पर्यटन स्थलों से आये कुल 22 समिति सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक ईको पर्यटन विकास बोर्ड डॉ. श्रीमती समिता राजौरा ने बताया कि आईएचएम के अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को लाइव खाना बनाकर सिखाया गया एवं आतिथ्य सत्कार के बारे में भी जानकारी दी गयी। साफ-सफाई, हाउस क्लीनिंग, सर्विंग और एटीकेट्स के बारे में भी बताया गया।

प्रशिक्षण के बाद मुख्य कार्यपालन अधिकारी ईको पर्यटन विकास बोर्ड डॉ. श्रीमती राजौरा, प्राचार्य आईएचएम भोपाल डॉ. रोहित सरीन द्वारा समस्त प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये गये।

3 किलोवॉट रूफटॉप सोलर लगाने पर 78 हजार रूपये की मिलेगी सब्सिडी-एमडी बैंस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (एमपीयूवीएनएल) के एमडी श्री अमनवीर सिंह बैंस ने कहा है कि ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में प्रदेश निरंतर बेहतरीन कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में प्रधानमत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों को दिलाने के लिये शासन प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि 3 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगाने पर शासन द्वारा 78 हजार रूपये की सब्सिडी का लाभ उपभोक्ताओं को दिया जा रहा है। एमडी श्री बैंस ने जनता से अपील की है कि पीएम सूर्य घर पोर्टल पर अधिक से अधिक आवेदन करें। प्रदेश में लगभग 850 वेंडर इस कार्य में संलग्न किये गये हैं, आवेदक स्वयं उसमें से आप वेंडर का चयन कर सकते हैं। इस प्रकार प्रदेश के क्लीन एनर्जी (स्वच्छ ऊर्जा) के क्षेत्र में सहभागिता सुनिश्चित कर प्रदेश को अव्वल बनाने में अपना योगदान दें। एमडी श्री बैंस ने बताया कि मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड और नॉलेज पार्टनर काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर ने साथ मिलकर मंगलवार को पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना के तहत मध्यप्रदेश में रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने के लिये कार्यशाला का आयोजन किया। इसमें मीडिया को राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने वाले प्रावधानों, इसमें मौजूद संभावनाओं और मध्यप्रदेश को सौर ऊर्जा संपन्न बनाने के प्रयासों की जानकारी दी गई।

एमडी श्री बैंस ने कार्यशाला में सौर ऊर्जा को लेकर सरकार के विजन, प्रदेश की सौर ऊर्जा नीति, पीएम सूर्य घर पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया और प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने में की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत आवासीय घरों की छतों पर सोलर लगाने का प्रावधान किया गया है। इसमें पहले दो किलोवॉट के लिए प्रति किलोवाट 30 हजार रुपये और तीसरे किलोवॉट के लिए 18 हजार रुपये सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। इस तरह से तीन किलोवाट के रूफटॉप सोलर के लिए कुल 78 हजार रुपये की सब्सिडी उपलब्ध हैं। पीएम सूर्य घर योजना के तहत रूफटॉप सोलर के लाभों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा, इस योजना के बहुत सारे लाभ हैं। इस प्रोजेक्ट से ग्रिड पर उपभोक्ता की निर्भरता कम होती है। इससे दिन के समय उपभोक्ता के इस्तेमाल के लिए सस्ती बिजली उपलब्ध होती है। छतों पर सोलर सिस्टम को लगाने में उपभोक्ताओं की जितनी राशि व्यय होती है, वह पांच से छह वर्ष में रिकवर हो जाएगी। उसके बाद सोलर सिस्टम से बाकी समय में बिजली की बचत के माध्यम से लाभ होगा। इन तीन लाभों के अलावा एक नागरिक होने के नाते उपभोक्ता एक स्वच्छ पर्यावरण, एक क्लीन सस्टेनेबल इको सिस्टम के लिए योगदान कर पाएंगे।

सरकारी नौकरी पाने की खुशी चेहरों पर झलकी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा विभाग के अंतर्गत मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) में विभिन्न पदों पर चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेजों के भौतिक परीक्षण की प्रक्रिया आज से प्रारंभ हो गई। शासकीय सेवा में नियुक्ति का सपना साकार होने की संतुष्टि और उल्लास चयनित अभ्यर्थियों के चेहरों पर साफ झलक रहा था। पहले दिन कुल 22 अभ्यर्थियों ने आत्मविश्वास और प्रसन्नता के साथ दस्तावेज परीक्षण में भाग लिया।

दस्तावेज सत्यापन के लिए अभ्यर्थी नियत समय पर आवश्यक प्रमाणपत्रों के साथ उपस्थित हुए और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए परीक्षण संपन्न कराया। दस्तावेज परीक्षण की यह प्रक्रिया आगामी 3 जुलाई तक प्रतिदिन जारी रहेगी, जिसके अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए चयनित अभ्यर्थियों के प्रमाणपत्रों की जांच की जाएगी।

एम.पी. ट्रांसको के मुख्य अभियंता श्री धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि दस्तावेज परीक्षण के पहले दिन कनिष्ठ अभियंता (पारेषण-प्रशिक्षु) एवं सिविल लाइन परिचारक (प्रशिक्षु) पदों के लिए चयनित 22 अभ्यर्थियों ने अपने दस्तावेजों का परीक्षण कराया। उन्होंने बताया कि दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात शीघ्र ही नियुक्ति आदेश जारी कर दिए जाएंगे, जिससे चयनित अभ्यर्थी समय पर विभाग की सेवा में योगदान दे सकें।

तिलक एवं पुष्प वर्षा के माध्यम से नव प्रवेशितों का हुआ अभिनंदन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई) में मंगलवार को नवीन सत्र 2025-26 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत भारतीय परंपरानुसार तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा के माध्यम से किया गया। संस्थान के नवीन विद्यार्थियों को संस्थान की उपलब्धियों, परंपराओं एवं सुविधाओं से परिचित करवाने के उद्देश्य से स्नातक व स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के साथ समस्त संकायों के प्राध्यापक भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

संस्थान के संचालक डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल ने सरस्वती वंदना के माध्यम से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात संस्थान के शिक्षकों ने सिविल सर्विसेज में संस्थान से चयनित विद्यार्थियों, विक्रम अवार्ड से सम्मानित विद्यार्थियों, राष्ट्रपति से सम्मानित एनएसएस इकाई जैसी उल्लेखनीय संस्थागत उपलब्धियों से सभी को अवगत करवाया।

साथ ही उन्होंने एकाग्रचित्त होकर संस्थान में अध्ययन करते हुए अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विद्यार्थियों से आह्वान किया और इस प्रक्रिया में संस्थान के हर संभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

संस्थान के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने नव प्रवेशितों को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनायें प्रेषित की। कार्यक्रम की संयोजक एवं समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. शैलजा दुबे ने विद्यार्थियों को संस्थान के पुस्तकालय, एनएसएस इकाई, एनसीसी इकाई आदि अन्य मूलभूत शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक सुविधाओं एवं गतिविधियों से परिचित करवाया। तत्पश्चात प्रत्येक विभाग के विभिन्न प्राध्यापकों ने अपने विभाग का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। दीक्षारम्भ कार्यक्रम के माध्यम से संस्थान में प्रवेशित विद्यार्थियों को संस्थान की परंपरा में घुलने-मिलने एवं भविष्य निर्माण की रुपरेखा बनाने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ।

शेष हितग्राहियों की ई-केवायसी कराने विशेष अभियान 15 जुलाई तक -खाद्य मंत्री श्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत सम्मिलित पात्र हितग्राहियों की पहचान सुनिश्चित कर वास्तविक हितग्राहियों को राशन वितरण करने के लिये हितग्राहियों की ई-केवायसी करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने बताया है कि शेष हितग्राहियों की ई-केवायसी कराने तथा मृत तथा अपात्र एवं अस्तित्वहीन हितग्राहियों का मौके पर सत्यापन के बाद उनका नाम हटाने के लिये 1 से 15 जुलाई तक विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये गये हैं। गौरतलब है कि अभी तक कुल पात्र हितग्राही 5 करोड़ 32 लाख 42 हजार में से 4 करोड़ 75 लाख 66 हजार हितग्राहियों के ई-केवायसी किये जा चुके हैं। इनमें 2 लाख 36 हजार हिताग्राहियों के नाम विलोपित किये गये हैं। इनमें से 54 लाख 40 हजार की ई-केवायसी किया जाना शेष है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित समय-सीमा में ई-केवायसी कराने के लिये जून माह में ई-केवायसी से शेष परिवारों को ई-केवायसी के बाद राशन वितरण की व्यवस्था की गई है।

ई-केवायसी से शेष हितग्राहियों का घर-घर जाकर सत्यापन करने के लिये वार्ड प्रभारी/पंचायत सचिव/रोजगार सहायक की ड्यूटी लगाने के निर्देश कलेक्टर्स को दिये गये हैं। ई-केवायसी से शेष हितग्राहियों की सूची उचित मूल्य दुकान/ग्राम पंचायत/वार्ड कार्यालय पर चस्पा की जाएगी। मौके पर उपलब्ध एवं पात्र हितग्राहियों को उचित मूल्य दुकान पर जाकर अथवा मेरा राशन एप पर फेस एथेंटिकेशन के माध्यम से ई-केवायसी करने के लिये अवगत कराने और हितग्राही के आधार नंबर में दर्ज नाम, मोबाइल नंबर त्रुटिपूर्ण होने एवं बायोमेट्रिक डाटा अपडेट न होने पर आधार केम्प में जाकर डाटा अपडेट कराने के निर्देश दिये गये हैं।

प्रदेश के शहरी मार्गों पर 582 इलेक्ट्रिक बस चलाने की योजना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन को बढ़ावा देने के लिये मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी 2025 तैयार की गई है। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिये राज्य सरकार द्वारा परिवहन कर में छूट और अनुदान दिये जाने की भी व्यवस्था की गई है। प्रदेश के बड़े शहरों में सार्वजनिक परिवहन सेवा के अंतर्गत इलेक्ट्रिक बस सेवा को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। वर्तमान में इंदौर में शहरी मार्गों पर 80 इलेक्ट्रिक बसों को संचालन किया जा रहा है। फेम योजना के अंतर्गत 40 और अमृत योजना 1.0 में 40 बसें संचालित हो रही हैं।ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत 6 शहरों में 582 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिये प्रस्ताव तैयार कर भेजा गया था, जिसे केन्द्रीय शहरी मंत्रालय नई दिल्ली से स्वीकृति मिल गयी है। इंदौर में 150, भोपाल में 100, ग्वालियर में 100, जबलपुर में 100, सागर में 32 एवं उज्जैन में 100 इलेक्ट्रिक बसों को चलाने का प्रस्ताव है। प्रदेश के 6 शहरों में बस संचालन के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा निविदा जारी कर बस संचालकों का चयन किया जा चुका है।

अबेर में आयोजित हुआ किसान पंचायत

देश में सरकार अबेर सहित एक गांव भी आदर्श नहीं बना सकी : डॉ सुनीलम

सांसद का गोद लिया गांव अबेर आज भी विकास से कोसों दूर : शिव सिंह

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। ग्राम अबेर में किसान संघर्ष समिति द्वारा किसान पंचायत का आयोजन मंगलवार को किया गया जहां मुख्य अतिथि की हैसियत से किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व विधायक डॉ सुनीलम उपस्थित रहे अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि समयलाल सिंह ने किया किसान पंचायत को किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता एड शिव सिंह कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखू विंध्य क्षेत्र के संयोजक एड पुष्पेन्द्र सिंह प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल एवं शत्रुघन यादव एवं पूर्व जनपद उपाध्यक्ष सत्यभान सिंह ने संबोधित किया संचालन किसान संघर्ष समिति सतना के अध्यक्ष नंदलाल सिंह ने किया किसान पंचायत को संबोधित करते हुए डॉ सुनीलम ने कहा कि केंद्र सरकार ने 2014 से सांसद आदर्श ग्राम योजना शुरू की थी लेकिन देश में सरकार अबेर सहित एक गांव भी आदर्श नहीं बना सकी सांसद निधि के तौर पर पांच करोड़ रुपए हर सांसद को दिया जाता है बेरोजगारी मुक्त नशा मुक्त महिला हिंसा मुक्त भेदभाव रहित आत्मनिर्भर गांव नहीं बना पाना सरकार की भारी विफलता को दर्शाता है

डॉ सुनीलम ने कहा कि पार्टी और सरकारें बदलती है मुख्यमंत्री विधायक सांसद बदलते है लेकिन किसानों के साथ हो रहा है भेदभाव खत्म नहीं होता सरकार किसान किसानी गांव को खत्म करना चाहती है किसानों से अपील की है कि वे अपना मजबूत किसान संगठन बनाकर राष्ट्रीय संसाधनों में अपनी आबादी के अनुपात में बजट आवंटन हासिल करें किसानों ने पार्टीयों और सरकारों से उम्मीद करते हुए 76 वर्ष बर्बाद कर दिये है। आज संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद एवं धर्मनिरपेक्षता शब्द हटाए जाने की मुहिम चल रही है उदाहरण के तौर पर बताना चाहता हूं आज 80 करोड लोगों के पास जितनी संपत्ति है उतनी देश के 100 सरकार के क्रीम लोगों के पास है सोचिए जब समाजवाद शब्द हट जाएगा तब क्या होगा । राष्ट्रीय प्रवक्ता एड शिव सिंह ने कहा कि सांसद का गोद लिया गांव अबेर आज भी विकास से कोसों दूर है वह गांव आज भी गोद में ही खेल रहा है अबेर साढ़े सात हजार की आबादी वाला गांव है जहां मानव से लेकर पशु चिकित्सक तक नहीं है अन्य बक्ताओं में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह प्रदेश सचिव संतकुमार पटेल एवं शत्रुघन यादव ने एमएसपी की गारंटी का कानून बनाने कर्जा मुक्ति महंगाई बेरोजगारी आदि सवालों पर सरकार को घेरने का काम किया तथा आगामी 9 जुलाई को देशभर में आयोजित ट्रेड यूनियंस की हड़ताल का बड़े स्तर पर समर्थन एवं सफल बनाने का ऐलान किया है किसान पंचायत में प्रमुख रूप से किसान गोकुल सिंह द्वारिका सिंह सुरेंद्र सिंह जयमंगल सिंह शिवनारायण सिंह महेंद्र सिंह लालमणि सिंह रामजुडावन सिंह राजभान सिंह इंद्रकुमार सिंह राजेश सिंह वीरेंद्र सिंह आदि सहित सैकड़ो की संख्या में किसान साथी उपस्थित रहे।

संभाग स्तरीय मॉक पार्लियामेंट में शामिल हुये सतना के युवा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भाजपा शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर संभाग स्तरीय मॉक पार्लियामेंट का कार्यक्रम मध्यप्रदेश के उपमुख्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ला के मुख्य आतिथ्य मे भाजपा संम्भागीय कार्यालय अटल कुज रीवा मे रविवार को आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता रीवा भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने विशिष्ट अतिथि भाजयुमो सतना जिला अध्यक्ष सौभाग्य केशरी सहित संभाग के सभी युवा मोर्चा ज़िला अध्यक्ष रहे। मांक पार्लियामेंट में सतना जिले से भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज कुशवाहा शिवेंद्र सिंह बघेल नितीन त्रिपाठी युवा सांसद के रूप में भाग लिया एवं आपातकाल के विषय पर अपनी बात सदन मे रखी, इस दौरान संभाग के विभिन्न ज़िले से सैकड़ो युवा सदस्य युवा संसद में उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने की रीवा-सीधी-सिंगरौली रेल लाईन की समीक्षा

रेलवे तथा राजस्व अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने रीवा-सीधी-सिंगरौली रेल लाईन के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि रेलवे तथा राजस्व अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। रेलवे विभाग के अधिकारी कार्यों के प्राथमिकता क्रम को निर्धारित करते हुए राजस्व अधिकारियों के सतत संपर्क में रह कर कार्य मे प्रगति लाएं। सीधी सिंगरौली नई रेल लाइन परियोजना की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को भू-अर्जन के काम को समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर ने लंबित रकबों के भू-अर्जन के धारा 11, 19, 21 की कार्यवाही निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। जो भुगतान लंबित है उनकी कमियों को दूर करते हुए अगले एक सप्ताह में भुगतान की कार्यवाही पूर्ण करायें। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों से समन्वय बनाकर काम करने के लिए निर्देशित किया, ताकि कार्य समय सीमा में पूर्ण हो।

बैठक में उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, चुरहट शैलेष द्विवेदी, सिहावल प्रिया पाठक, उप मुख्य अभियंता निर्माण रीवा घमंडी लाल मीणा, उप मुख्य अभियंता सीधी अवलीश मीणा, सहायक कार्यकारी अभियंता निर्माण सीधी अविनाश कुमार, वरिष्ठ खंड अभियंता निर्माण सीधी गिरधर मीणा, कुलदीप शर्मा उपस्थित रहे।

छात्रों को नई शिक्षा नीति एवं महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी गई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज आफएक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय सीधी मध्य प्रदेश में दीक्षारंभ समारोह के दूसरे दिवस के प्रारंभ में महाविद्यालय के नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम नारायण स्वर्णकार द्वारा कुमकुम का टीका लगाकर स्वागत करते हुए परिचय प्राप्त किया गया। तत्पश्चात छात्र-छात्राओं को विभिन्न विभागों एवं प्रकोष्ठों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई। डॉ. दिलीप कुमार सोनी जिला नोडल नई शिक्षा नीति 2020 के द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गई उनके द्वारा बताया गया कि नई शिक्षा व्यवस्था पुरानी शिक्षा व्यवस्था की अपेक्षा अत्यधिक लचीली, विकल्प युक्त, रोजगार मूलक एवं प्रयोगात्मक है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रथम वर्ष द्वितीय वर्ष या तृतीय वर्ष में पढ़ाई छोड़ने पर वह पढ़ाई निरर्थक नहीं होती। प्रत्येक वर्ष का सर्टिफिक्रेट, डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त हो जाते है जो कभी भी पढ़ाई के पुनरारंभ के लिए उपयोगी होते हैं। इसी प्रकार विषय चयन में अत्यधिक स्वतंत्रता है इलेक्टिव अथवा वोकेशनल विषय के रूप में विद्यार्थी अपने संकाय के इतर विषय का चयन कर सकता है। द्वितीय वक्त के रूप में डॉ. दिवाकर सिंह पुस्तकालय प्रभारी ने महाविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय का परिचय प्रदान करते हुए उसमें उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की उन्होंने बताया कि पुस्तकालय में रीडिंग रूम उपलब्ध है जहां बहुत ही अच्छी पुस्तक पढ़ने के लिए उपलब्ध होती हैं।

स्कूली बच्चे आत्मरक्षा में होंगे पारंगत, सामुदायिक पुलिसिंग से हिंसा पर लगेगा अंकुश

सृजन कार्यक्रम का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी के नेतृत्व में मऊगंज पुलिस विभाग, अहिंसा वेलफेयर सोसायटी मऊगंज, और समग्र जन चेतना विकास परिषद रीवा के सहयोग से सृजन कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। यह 18 दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किशोर-किशोरियों, विशेषकर बालिकाओं, को आत्मरक्षा, लैंगिक सकारात्मक सोच, और नेतृत्व कौशल के माध्यम से सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने कहा कि यह कार्यक्रम मऊगंज में किशोरियों को सशक्त करने का एक अनूठा अवसर है। यह न केवल आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देगा, बल्कि सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देकर सामाजिक समन्वय स्थापित करेगा। विशिष्ट अतिथि महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी निर्मला शर्मा ने बालिकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यह समग्र सशक्तिकरण कार्यक्रम सड़क पर होने वाली हिंसा से बचाव के उपाय सिखाएगा और स्वच्छंद सामुदायिक वातावरण स्थापित करेगा।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह ने बच्चों को सेल्फ डिफेंस मॉड्यूल की जानकारी दी और सामुदायिक पुलिसिंग की भूमिका पर जोर दिया। अहिंसा वेलफेयर सोसायटी के समन्वयक सुरेंद्र प्रसाद चतुर्वेदी ने बताया कि यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश पुलिस की सामुदायिक पुलिसिंग पहल के तहत शुरू किया डुआत्मविश्वास, और कौशल से लैस करेगा। विशेष रूप से घरेलू हिंसा और सड़क आधारित शोषण का सामना कर रहे युवाओं के लिए यह कार्यक्रम उनकी क्षमताओं का निर्माण करेगा। कार्यक्रम में 13 से 19 वर्ष की बालिकाओं को मास्टर ट्रेनर सुनीता चौरसिया द्वारा 18 दिनों तक जोड़ों-कराटे की ट्रेनिंग दी जाएगी। यह पहल मऊगंज में किशोर-युवा विकास के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य करेगी। कार्यक्रम में एसडीओपी सचि पाठक, प्राचार्य उमाशंकर सोनी, सतानंद मिश्र, डॉ. नागेंद्र प्रसाद मिश्र, अहिंसा वेलफेयर सोसायटी की टीम, महिला एवं बाल विकास विभाग के परिवेक्षक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, और ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बीके खुशबू बहन व बीके रूपा बहन सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

स्व सहायता समूह सीसीएल ऋण के संबंध में समन्वय बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी अंशुमन राज के मार्गदर्शन में जिला परियोजना प्रबंधक पुष्पेंद्र कुमार सिंह, अवध बिहारी चौधरी अग्रणी जिला प्रबंधक यूबीआई बैंक सीधी, आशीष पाण्डेय क्षेत्रीय प्रबंधक मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक की उपस्थिति में, एकता सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र सीधी में मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की टीम के साथ समन्वय सह उन्मुखीकरण बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में उपस्थित अवध बिहारी चौधरी एलडीएम यूबीआई सीधी, आशीष पाण्डेय क्षेत्रीय प्रबंधक एमपीजीबी सीधी, अजय सावनेर अग्रिम प्रबंधक एमपीजीबी, राजीव रंजन शाखा प्रबंधक यूबीआई कलेक्ट्रेट कैम्पस, मनाली सोनटवके आरडीओ, यूबीआई डीपी कॉम्प्लेक्स द्वारा स्व-सहायता समूहों के सीसीएल ऋण वितरण के संबंध व्यवहारिक एवं तकनीकी परिवर्तन के कारण आ रही समस्याओं का कैसे निराकरण किया जाये, पर चर्चा की गई। समूहों को वित्तीय रूप से किस तरह से सशक्त किया जाये, के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया।

सूक्ष्म वित्त जिसे माइक्रोफाइनेंस भी कहा जाता है, कम आय वाले व्यक्तियों और समूहों को वित्तीय सेवायें प्रदान करने की एक प्रणाली है, जिनकी अक्सर पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच नहीं होती है। इसमें सीसीएल ऋण, बचत खाते, बीमा और धन हस्तांतरण जैसी सेवायें शामिल हैं। सूक्ष्म वित्त का उद्देश्य उन समूहों एवं समूह सदस्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है, जो गरीब हैं या जिनके पास सीमित आय है, ताकि सूमह एवं समूह सदस्य अपना व्यवसाय शुरू कर सकें या मौजूदा व्यवसायों का विस्तार कर सकें, अपनी आय बढ़ा सकें और अपने जीवन स्तर में सुधार कर सकें। कार्यक्रम के अंत में पुष्पेन्द्र कुमार सिंह जिला परियोजना प्रबंधक द्वारा आये हुये सभी बैंक अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुये धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस दौरान आजीविका मिशन जिला स्तर से देवेश मिश्रा कौशल, शैलेन्द्र द्विवेदी जिला प्रबंधक, अजय सिंह जिला प्रबंधक सूक्ष्म वित्त, प्रशांत कुमार मिश्रा सहायक जिला प्रबंधक, हरि राम त्रिपाठी युवा सलाहकार (एसआईएसडी), विजय गोस्वामी प्रभारी जिला प्रबंधक एवं विकासखण्ड स्तर से सुरजीत सिंह प्रभारी विकासखण्ड प्रबंधक कुसमी, चंद्रकांत सिंह विकासखण्ड प्रबंधक मझौली, विनोद मिश्रा प्रभारी विकासखण्ड प्रबंधक रामपुर नैकिन, अशोक पाण्डेय प्रभारी विकासखण्ड प्रबंधक सीधी, अखिलेश त्रिपाठी प्रभारी विकासखण्ड प्रबंधक सिहावल एवं विकासखण्ड समस्त स्टाफउपस्थित रहे ।

सिन्धु विकास समिति ने किया "सेवा समर्पण सम्मान" समारोह

डॉक्टर्स डे पर हुआ डॉक्टरों का सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर सिन्धु विकास समिति ने 32 वर्षों से अधिक समय से समाज सेवा में सक्रिय अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए स्थानीय हेमू कालाणी पार्क में "सेवा समर्पण सम्मान" समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर मानव जीवन को स्वस्थ रखने और निस्वार्थ सेवा के लिए डॉक्टरों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) के अध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल, सतना मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज शर्मा, जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष मनविंदर ओबेरॉय, भारत स्काउट गाइड जिला संघ के सदस्य राकेश सोनी (डोला भईया), समिति के संरक्षक श्रीचंद मनवानी, मनोहर डिगवानी, अध्यक्ष विनोद गेलानी, और महामंत्री घनश्याम मघरानी की गरिमामय उपस्थिति रही।कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के सहमंत्री दिलीप सोनी द्वारा अतिथियों का परिचय और माल्यार्पण के साथ स्वागत से हुआ। संरक्षक मनोहर डिगवानी ने अतिथियों और सम्मानित व्यक्तियों का शब्दों से स्वागत किया।

समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी ने कहा, "सेवा ही सिन्धु विकास समिति की पहचान है। पिछले 32 वर्षों से रक्तदान और श्री नारायण मुक्तिधाम के नवनिर्माण जैसे कार्यों के माध्यम से हम समाज की सेवा कर रहे हैं।"आईएमए अध्यक्ष डॉ. राकेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा, "हम भगवान नहीं, बल्कि आपके जैसे ही इंसान हैं। किसी की जान हमारे हाथ में नहीं होती, लेकिन हम बेहतर इलाज के लिए अपना 100 प्रतिशत प्रयास करते हैं।" मनोज शर्मा, मनविंदर ओबेरॉय, और राकेश सोनी ने समिति के समाज सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे साधुवाद दिया।

सम्मान समारोह में डॉ. मुकेश त्रिपाठी, डॉ. ललन सिंह, डॉ. व्ही. के. गांधी, डॉ. आकाश चांदवानी, डॉ. मनीषा सोई, डॉ. प्रियंका खटवानी, डॉ. पूजा डुलानी, डॉ. कुशल मघनानी, डॉ. प्रकाश सिंह, डॉ. संदीप कापड़ी, और विशिष्ट सेवाओं के लिए सुरेश पटेल को शाल, श्रीफल, और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन सहमंत्री दिलीप सोनी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन रेडीमेड व्यापारी संघ के अध्यक्ष अशोक वाधवानी ने किया। इस अवसर पर राखी होतचंदानी, मोना चोपड़ा, गिरधारीलाल वाधवानी, अशोक आहूजा, गोपीचंद कापड़ी, विजय जग्यासी, गंगाराम होतवानी, दिलीप जिंदवानी, संजय वाधवानी, मनीष सदानी, पंकज आहूजा, दीपक वाधवानी, रूपेश चावला, श्याम मनवानी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

वार्ड क्रमांक 9 में किया गया नाला निर्माण का भूमिपूजन, वर्षा की बाढ़ से मिलेगी राहत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बुधवार को वार्ड क्र 9 सुंदर नगर ईवीएम रूम से लेकर पटेल हॉस्टल तक नाला निर्माण कार्य का भूमिपूजन वार्ड की पार्षद विमला सिंह पुत्र सतीश सिंह की उपस्थित में वार्ड के वरिष्ठ विशिष्ट नागरिक समयराज सिंह के साथ उप मुख्यमंत्री जी के निज सचिव राजीव तिवारी जी के कर कमलों से किया गया अनुमानित लागत 30.56 लाख नाली निर्माण का भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ नगर निगम नाली निर्माण संविदाकार मेसर्स कजिन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोपराइटर शाहिल भल्ला के द्वारा निर्माण कार्य कराया जाएगा। नगर निगम उपयंत्री रमेश सिंह मंडल अध्यक्ष शिवम द्विवेदी पूर्व पार्षद सतीश सिंह वार्ड संयोजक राजेश मिश्रा सी .पी सेन किशन मिश्रा राजाराम बुनकर राहुल भारती नवीन पटेल आशीष पटेल शिवम शुक्ला मृगेंद्र सिंह प्रभाकर सिंह सतीश त्रिपाठी रोहित सेन सरयूशरण पटेल अविनाश गर्ग मुद्रिका प्रसाद पाण्डेय कमलाकर समदड़िया तेजपाल सिंह राजेश सोनी वार्ड के कई सम्मानित जन एवं माताएं बहने उपस्थिति रही यह नाला पिछले कई वर्षो से मांग कि जा रही थी इस नाले के बन जाने से वर्षा कल के समय में जो बाढ़ आती है उससे निजात मिलेगी सभी ने माननीय उपमुख्यमंत्री एवं नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय पार्षद विमला सिंह का धन्यवाद ज्ञापित किया, एवं वार्ड के विभिन्न जनमानस की उपस्थिति में भूमि पूजन संपन्न हुआ।

प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड सीमेंट डिवीजन को 'सबसे पसंदीदा कार्यस्थल 2025-26' का सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड (सीमेंट डिवीजन) को 'सबसे पसंदीदा कार्यस्थल 2025-26' के प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा गया है। यह सम्मान टीम मार्क्समेन नेटवर्क द्वारा लीडकैप वेंचर्स (रिसर्च पार्टनर) के सहयोग से, इंडिया टुडे, ईवाई, और बिजनेस स्टैंडर्ड जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया। पुरस्कार भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री कृपाशंकर सिंह ने कंपनी के सीईओ व कार्यकारी निदेशक राकेश जैन, सीएचआरओ प्रवीर कुमार रे, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट (एचआरएम व कॉर्पोरेट अफेयर्स) मनीष कुमार सिन्हा, असिस्टेंट मैनेजर सुशील कुमार, और असिस्टेंट मैनेजर देवेंद्र कुमार पटेल को सौंपा।कंपनी के एजीएम (सीएसआर व जनसंपर्क) देवेंद्र मिश्रा ने बताया कि यह पुरस्कार कार्यस्थल संस्कृति, कर्मचारी संतुष्टि, और प्रतिभा प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए दिया जाता है। इस पुरस्कार के 5वें संस्करण में टीसीएस, हिंडाल्को, अडाणी गैस, एनटीपीसी, एचपीसीएल, रेमंड सहित देश की 45 शीर्ष कंपनियों को यह सम्मान प्राप्त हुआ। पुरस्कार का चयन कठोर मूल्यांकन प्रक्रिया के आधार पर हुआ, जिसमें नेतृत्व में विश्वास, करियर विकास के अवसर, कार्य-जीवन संतुलन, मूल्य-आधारित संस्कृति, और कर्मचारी फीडबैक जैसे पहलुओं का गहन विश्लेषण शामिल था।सीईओ राकेश जैन ने इस अवसर पर कहा, "यह पुरस्कार हमारी सकारात्मक कार्यस्थल संस्कृति और पेशेवर मूल्यों को दर्शाता है।

यह हमारी पूरी टीम के समर्पण और कड़ी मेहनत का सम्मान है। एक प्रेरणादायक और कर्मचारी-केंद्रित कार्य वातावरण ही हमारी दीर्घकालिक सफलता की नींव है। मैं प्रिज्म परिवार के प्रत्येक सदस्य को इस उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं।"इस सम्मान पर कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर विजय अग्रवाल, सीईओ राकेश जैन, सीएचआरओ प्रवीर कुमार रे, प्रेसीडेंट व प्लांट हेड मनीष सिंह, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट मनीष कुमार सिन्हा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने हर्ष व्यक्त किया। यह पुरस्कार प्रिज्म जॉनसन लिमिटेड के कर्मचारी-केंद्रित दृष्टिकोण और उत्कृष्ट कार्यस्थल वातावरण को रेखांकित करता है।

बिना लाइसेंस धड़ल्ले से बिक रही खाद, बीज और कीटनाशक दवाएं, किसान परेशान

त्योंथर। कृषि विस्तार अधिकारियों की लापरवाही के कारण त्योंथर क्षेत्र में बिना लाइसेंस खाद, बीज और कीटनाशक दवाओं की दुकानें खुलेआम संचालित हो रही हैं। दुकानदारों द्वारा गुणवत्ताहीन बीज और अमानक खाद को मानक बताकर किसानों को बेचा जा रहा है, जिससे बुवाई के बाद फसल खराब होने से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। दुकानदार रसीद न देने और मनमाने दाम वसूलने के साथ-साथ प्रतिबंधित कीटनाशकों की भी बिक्री कर रहे हैं। सोहागी, मझिगवां, डीह और रायपुर में बिना लाइसेंस की दुकानों की संख्या लाइसेंसधारी दुकानों से अधिक है। सूत्रों के अनुसार, सोहागी में अवैध रूप से डीएपी खाद बनाई और बेची जा रही है। कृषि विभाग के अधिकारियों को इसकी जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही, क्योंकि दुकानदारों को पहले ही जांच की सूचना मिल जाती है या वे रिश्वत देकर बच निकलते हैं। किसानों ने रीवा कलेक्टर से मांग की है कि अवैध दुकानों और नकली खाद, बीज व कीटनाशकों की बिक्री पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि उनकी आर्थिक हानि रुके और गुणवत्तापूर्ण सामग्री मिल सके।

विचार

मध्यमवर्गीय परिवार नहीं फंसे ऋण के जाल में

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की है। इसके साथ ही, निजी क्षेत्र के बैंकों, सरकारी क्षेत्र के बैंकों एवं क्रेडिट कार्ड कम्पनियों सहित अन्य वित्तीय संस्थानों ने भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी की घोषणा करना प्रारम्भ कर दिया है ताकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी का लाभ शीघ्र ही भारत में ऋणदाताओं तक पहुंच सके एवं इससे अंततः देश की अर्थव्यवस्था को बल मिल सके। भारत में चूंकि अब मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में आ गई है, अतः आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में और अधिक कमी की जा सकती है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी के बाद कई नागरिक जिन्होंने पूर्व में कभी बैंकों से ऋण नहीं लिया है, वे भी ऋण लेने का प्रयास करें। बैंक से ऋण लेने से पूर्व इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि इस ऋण को चुकता करने की क्षमता भी ऋणदाता में होनी चाहिए अर्थात ऋणदाता की पर्याप्त मासिक आय होनी चाहिए ताकि बैकों द्वारा प्रदत्त ऋण की किश्त एवं ब्याज का भुगतान पूर्व निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके। इस संदर्भ में विशेष रूप से युवा ऋणदाताओं द्वारा क्रेडिट कार्ड के उपयोग पश्चात संबंधित राशि का भुगतान समय सीमा के अंदर अवश्य करना चाहिए क्योंकि अन्यथा क्रेडिट कार्ड एजेंसी द्वारा चूक की गई राशि पर भारी मात्रा में ब्याज वसूला जाता है, जिससे युवा ऋणदाता ऋण के जाल में फंस जाते हैं। बैकों से लिए गए ऋण की मासिक किश्त एवं इस ऋणराशि पर ब्याज का भुगतान यदि निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं किया जाता है तो चूककर्ता ऋणदाता से बैकों द्वारा दंडात्मक ब्याज की वसूली की जाती है। इसी प्रकार, कई नागरिक जो क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं एवं इस क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की गई राशि का भुगतान यदि वे निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं कर पाते हैं तो इस राशि पर चूक किए गए क्रेडिट कार्ड धारकों से भारी भरकम ब्याज की दर से दंड वसूला जाता है। कभी कभी तो दंड की यह दर 18 प्रतिशत से 24 प्रतिशत के बीच रहती है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले नागरिक कई बार इस उच्च ब्याज दर पर वसूली जाने वाली दंड की राशि से अनभिज्ञ रहते हैं। अतः बैंकों से ली जाने वाली ऋणराशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का समय पर भुगतान करने के प्रति ऋणदाताओं को सजग रहने की आवश्यकता है।

कुल मिलाकर यह ऋणदाताओं के हित में है कि वे बैंक से लिए जाने वाले ऋण की राशि तथा ब्याज की राशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का पूर्व निर्धारित एवं उचित समय सीमा के अंदर भुगतान करें क्योंकि अन्यथा की स्थिति में उस चूककर्ता नागरिक की क्रेडिट रेटिंग पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं आगे आने वाले समय में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है एवं बहुत सम्भव है कि भविष्य में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त ही न हो सके।

ऋणदाता यदि किसी प्रामाणिक कारणवश अपनी किश्त एवं ब्याज का बैंकों अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को समय पर भुगतान नहीं कर पाता है और उसका ऋण खाता यदि गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित हो जाता है तो इस संदर्भ में चूककर्ता ऋणदाता द्वारा बैकों को समझौता प्रस्ताव दिए जाने का प्रावधान भी है। इस समझौता प्रस्ताव के माध्यम से चूककर्ता ऋणदाता द्वारा सम्बंधित बैंक अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को मासिक किश्त एवं ब्याज की राशि को पुनर्निर्धारित किए जाने के सम्बंध में निवेदन किया जा सकता है। परंतु, यदि ऋणदाता ऋण की पूरी राशि, ब्याज सहित, अदा करने में सक्षम नहीं है तो चूक की गई राशि में से कुछ राशि की छूट प्राप्त करने एवं शेष राशि को एकमुश्त अथवा किश्तों में अदा करने के सम्बंध में भी समझौता प्रस्ताव दे सकता है। ऋण की राशि अथवा ब्याज की राशि के सम्बंध के प्राप्त की गई छूट की राशि का रिकार्ड बनता है एवं समझौता प्रस्ताव के अंतर्गत प्राप्त छूट के चलते भविष्य में उस ऋणदाता को बैकों से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, इस बात का ध्यान चूककर्ता ऋणदाता को रखना चाहिए। अतः जहां तक सम्भव को ऋणदाता द्वारा समझौता प्रस्ताव से भी बचा जाना चाहिए एवं अपनी ऋण की निर्धारित किश्तों एवं ब्याज का निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत भुगतान करना ही सबसे अच्छा रास्ता अथवा विकल्प है। भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के चलते मध्यमवर्गीय नागरिकों की सख्या भी तेजी से बढ़ रही है, जिनके द्वारा चार पहिया वाहनों, स्कूटर, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन एवं मकान आदि आस्तियों को खरीदने हेतु बैकों अथवा अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लिया जा रहा है। कई बार मध्यमवर्गीय परिवार एक दूसरे की देखा देखी आपस में होड़ करते हुए भी कई उत्पादों को खरीदने का प्रयास करते हुए दिखाई देते हैं, चाहे उस उत्पाद विशेष की आवश्यकता हो अथवा नहीं। उदाहरण के लिए एक पड़ौसी ने यदि अपने चार पहिया वाहन का एकदम नया मॉडल खरीदा है तो जिस पड़ौसी के पास पूर्व में ही चार पहिया वाहन उपलब्ध है वह पुराने मॉडल के वाहन को बेचकर पड़ौसी द्वारा खरीदे गए नए मॉडल के चार पहिया वाहन को खरीदने का प्रयास करता है और बैंक के ऋण के जाल में फंस जाता है।

फैट्री के धमाकों को रोकना बड़ी चुनौती

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पासमैलारम फेज एक इलाके में एक केमिकल फैटरी में हुए विस्फोट में 34 कर्मचारियों की मौत हो गई। तीन दिन पहले उार प्रदेश के नोएडा के थाना फेस वन क्षेत्र स्थित डी-93 सेटर-दो स्थित शाम पेंट इंडस्ट्रीज केमिकल की कंपनी में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि लपटें आसमान तक छूती नजर आई। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फायर ब्रिगेड टीम ने इस आग की घटना में किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान न होने की बात कही है। इसी 16 जून को उार प्रदेश के अमरोहा जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव अतरासी से करीब दो किलोमीटर दूर यह फैट्री चार महिलाओं की मौत हो चुकी थी। नौ घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोप है कि फैट्री संचालक ने पटाखे बनाने के लिए आसपास की रहने वाली महिलाओं को कम मजदूरी पर रखा था।

उन्हें केवल 300 रुपये दिहाड़ी दी जाती थी। मजदूरों को न कभी ट्रेनिंग दिलाई और नही आपातस्थित से निपटने का कोई प्रशिक्षण दिया गया। फैक्ट्री में दुर्घटनाएं होने पर कुछ दिन शोर मचता है। मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा होने के बाद सब शांत हो जाता है। दुर्घटनाएं रोकने की कोई योजना नही बनती। नहीं फैक्ट्री के श्रमिकों को दुर्घटना होने के समय की चुनौती बताई जाती हैं। दुर्घटना होने के समय की चुनौती के समय के लिए प्रशिक्षित भी नही किया जाता। दुर्घटना होने पर क्या किया जाए इसका भी प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। फैक्ट्री लगती है किंतु उनका तकनीकि निरीक्षण नहीं होता। निरीक्षण करने वाली अधिकारी पैसे के बल पर अपने आफिस में ही बैठकर रिपोर्ट बना देते है। सही मायने में फैक्ट्रियों में होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौत का जिम्मेदार वह अमला भी है जो समय-समय पर इनके सुरक्षा तंत्र का निरीक्षण करता है।

श्रम और रोजगार मंत्रालय के महानिदेशालय फ़ैक्ट्री सलाह सेवा और श्रम संस्थान (ष्ठत्नस्न्रस्रु) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत के पंजीकृत फ़ैक्ट्रियों में दुर्घटनाओं के कारण हर दिन औसतन तीन मज़दूरों की मौत हुई है और 11 घायल होते हैं। नवंबर 2022 में आरटीआई जवाब के अनुसार, भारत में रजिस्टर्ड फ़ैक्ट्रियों में हर साल होने वाली दुर्घटनाओं में 1,109 वर्करों की मौत हो गई और 4,000 से अधिक वर्कर घायल हुए। ये 2017 से 2020 के बीच आंकड़ों के आधार पर है। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि यह संख्या और भी ज्यादा है क्योंकि बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्रों में होने वाले हादसों की रिपोर्ट दर्ज ही नहीं की जाती है।

निदेशालय जनरल फैक्ट्री एडवाइस सर्विस एंड लेबर इंस्टीट्यूट्स की रिपोर्ट, 2022 के अनुसार 2021 में, महाराष्ट्र में 6,492 खतरनाक फैक्ट्रियों में से केवल 1,551 का निरीक्षण किया गया, जिससे 23.89 प्रतिशत निरीक्षण दर प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, 39,255 पंजीकृत फैक्ट्रियों में से केवल 3,158 का निरीक्षण किया गया। इससे 8.04 प्रतिशत निरीक्षण मिली। अन्य प्रमुख औद्योगिक राज्यों में भी यह प्रवृत्ति दिखाई देती है। तमिलनाडु में सामान्य निरीक्षण दर 17.0 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों की निरीक्षण दर 25.39 प्रतिशत थी। गुजरात में सामान्य निरीक्षण दर 19.33 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों की निरीक्षण दर 19.81 मिली।। 2021 के लिए अखिल भारतीय आंकड़े सामान्य निरीक्षणों के लिए 14.65 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों के लिए 26.02 प्रतिशत थे। उपर्युक्त विवरण से लिया गया है।

खराब निरीक्षण दरों का एक कारण कर्मचारियों की कमी है। महाराष्ट्र में निरीक्षकों की नियुक्ति दर केवल 39.34 प्रतिशत थी। इसमें 122 स्वीकृत अधिकारियों में से केवल 48 कार्यरत थे। गुजरात में नियुक्ति दर 50.91 प्रतिशत रही, तो तमिलनाडु में यह 53.57 प्रतिशत थी। अखिल भारतीय नियुक्ति दर 67.58 प्रतिशत थी। स्वीकृत पदों की संख्या पंजीकृत फैक्ट्रियों की संख्या के सापेक्ष वार्षिक निरीक्षण सुनिश्चित करने के लिए अपर्याप्त रही है। 2021 में, अखिल भारतीय स्तर पर 953 स्वीकृत निरीक्षकों में से प्रत्येक को वार्षिक रूप से 337 पंजीकृत फैक्ट्रियों का निरीक्षण करना पड़ता है।

मई 2024 में, महाराष्ट्र इंडस्ट्री डेवलपमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष ने एक मीडिया रिपोर्ट में स्वीकार किया कि सुरक्षा निरीक्षण और प्रमाणन अक्सर ऑडिटरों और फैक्ट्री मालिकों या प्रबंधकों के बीच समझ के आधार पर किए जाते थे। यह संकेत देता है कि नियोक्ता भी श्रम निरीक्षकों के समान ही दोषी हैं, और भ्रष्ट प्रथाओं की आपूर्ति पक्ष को संबोधित करना मांग पक्ष के सुधार के समान ही महत्वपूर्ण है।

प्रदेश स्तर पर विशिष्ट सीमा मात्रा के साथ खतरनाक रसायनों और ज्वलनशील गैसों की एक सूची स्थापित की जानी चाहिए। प्रत्येक राज्य को प्रमुख खतरे वाले कार्यस्थलों की सूची बनाए रखनी चाहिए। समें सुविधा का प्रकार, उपयोग किए गए रसायन और संग्रहीत मात्रा का विवरण हो। खतरनाक सामग्री की सूची और इन्वेंट्री को एक केंद्रीकृत डेटाबेस में संग्रहीत करें, जिस तक नियामक निकाय, आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ता, और जनता आसानी से पहुंच सकें। निरीक्षण प्रणाली को उदार बनाने के बजाय, सरकारों को आईएलओ सम्मेलन के प्रावधानों का पालन करके मजबूत श्रम बाजार शासन सुनिश्चित करना होगा। प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति और खतरनाक और रासायनिक पदार्थों के उपयोग को देखते हुए, सख्त निरीक्षणों की आवश्यकता है।

औद्योगिक आपदाओं की पुनरावृत्ति सरकार की विफलता को दर्शाती है कि उसने पिछले घटनाओं से सबक नहीं सीखा है। सुधारों और कमजोर शासन के नाम पर, राज्य अपने मूल कर्तव्य से पीछे नहीं हट सकता कि वह एक सुरक्षित कार्य और जीवन सुनिश्चित करे। एक प्रभावी और नैतिक श्रम निरीक्षण प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए सार्थक सुधारों की आवश्यकता है जो श्रमिकों और समुदाय की सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता दें। इसके साथ ही फैक्ट्री श्रमिकों का आपदा के समय सुरक्षा के उपाए, कैसे बचाव करें आदि का बार-बार प्रशिक्षण देना होगा। सभी उद्योगों के निरीक्षण के लिए तकनीकि विशेषज्ञों की टीम बनानी होगी। उन्हें नियमित निरीक्षण के निर्देश करने होंगे। इससे किसी दुर्घटना होने पर मौत और घायलों का आंकड़ा कम किया जा सकता है। दुर्घटना होने के हालात में इन तकनीकी अधिकारियों की जिम्मेदारी भी फिक्स करनी होगी। देखने में आ रहा है कि निरीक्षण स्टाफ की फेक्ट्री स्वामियों से मिलीभगत होने के कारण उद्योग स्वामी प्रायः प्रशिक्षित स्टाफ नही रखते। उत्तर प्रदेश के अमरोहा के अगवानपुर की दुर्घटना ग्रस्त पटाखा फैक्ट्री का भी ये ही कारण रहा। फैक्ट्री स्वामी ने सस्ते के चक्कर में फैक्ट्री के आसपास रहने वाली महिलाएं रख रखी थी। उन्हें वह मात्र तीन सौ रूपया रोज मजदूरी देता था। उनकी सामजिक सुरक्षा आदि का भी प्रबंध नही था।

केंद्र ही नहीं प्रदेश सरकारों को भी उद्योग स्वामियों को बताना होगा कि उनके यहां काम करने वाले श्रमिक और तकनीकि विशेषज्ञ देश की धरोहर है। उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उद्योग के साथ देश और समाज की भी है। घटना होने पर मात्र जांच के आदेश और मुआवजा देने से ही काम नही चलेगा। दुर्घटना के लिए जिम्मेदारी भी तै करनी होगी। जिम्मेदार लोगों को दंडित भी करना होगा तभी जाकर ये दुर्घटनाएं रूकेगी। एक बात और यदि उद्योग में सुरक्षा मानक कड़े हों, उद्योग श्रमिकों को समय-समय पर सुरक्षा संबधी प्रशिक्षण मिले तो दुर्घटनाएं ही न हों। हों तो मौत और घायलों की संख्या बहुत कम रहे। दुर्घटनाएं न हो तो उद्योग भी न मरे। दुर्घटनाएं होने से श्रमिकों के साथ एक प्रकार से संबधित उद्योग भी मर जाता है। अधिकतर दुर्घटनाग्रस्त उद्योग के स्वामी दुर्घटना के कारण हुए नुकसान, श्रमिकों को मुआवजा आदि देने के कारण बर्बाद हो जाते हैं। वे दुबारा से मुश्किल से ही काम को जोड़ पाते हैं। इससे देश का एक व्यापारी, एक व्यवसायी भी एक प्रकार से मर जाता है। उसका आर्थिक रूप से मरना देश की प्रगति को भी नुकसान देता है।

हिन्दी को सेतु का माध्यम बनायें, संघर्ष का नहीं

दक्षिण भारत के विभिन्न राज्यों में हिन्दी विरोध की राजनीति अब महाराष्ट्र में भी उग्र से उग्रत्तर हो गयी, इसी के कारण त्रिभाषा नीति को महाराष्ट्र में लगा झटका दुखद और अफसोसजनक है। आखिरकार राजनीतिक दबाव, लंबी रस्साकशी और कशमकश के बाद महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में हिंदी की पढ़ाई से जुड़े मुद्दे पर यू-टर्न लेते हुए अपने कदम पीछे खींच लिए। विदित हो कि केंद्र सरकार की नीति के तहत महाराष्ट्र के स्कूलों में पहली कक्षा से हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाना था। राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते अब ऐसा नहीं हो पाएगा। मतलब, महाराष्ट्र को तीसरी भाषा के रूप में भी हिंदी मंजूर नहीं है। महाराष्ट्र में हिंदी का संकट वास्तव में एक गहरे सामाजिक-राजनीतिक विमर्श का हिस्सा है।

यह केवल भाषाई नहीं, बल्कि अस्मिता, पहचान और सह-अस्तित्व से जुड़ा हुआ है। जबकि भाषा को संघर्ष का नहीं, सेतु का माध्यम बनाना चाहिए। क्योंकि जब मराठी और हिंदी एक-दूसरे की सहयोगी बनेंगी, तभी महाराष्ट्र और भारत दोनों का भविष्य उज्ज्वल होगा और तभी महाराष्ट्र राष्ट्रीयता से जुड़ते हुए समग्र विकास की ओर अग्रसर हो सकेगा।हिन्दी को हथियार बनाकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मराठी समर्थक राजनीति को इस तरह से गरमा दिया था कि सरकारी प्रयासों के हाथ-पांव फूलने लगे और अपने फैसलों पर पुनर्विचार करना पड़ा। ठाकरे बंधुओं का हिन्दी विरोधी आंदोलन दिनोंदिन उग्र होता जा रहा था। यह सच है, हर राज्य के लिए भाषा की राजनीति मायने रखती है और कोई भी पार्टी स्थानीय स्तर पर अपनी क्षेत्रीय भाषा से मुंह नहीं मोड़ सकती। यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में पूर्व में एक समिति ने जब हिंदी पढ़ाने की सिफारिश की थी, तब उद्धव ठाकरे ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। तब हिंदी का मामला बड़ा नहीं था, पर आज जब ठाकरे विपक्ष में हैं, तब यही मुद्दा सबसे अहम हो गया है। शायद यह शर्म की बात है कि जिस राज्य की राजधानी में पूरा हिंदी फिल्म उद्योग बसता है, समूचे देश की आर्थिक राजधानी होने का गौरव जिसे मिला हुआ है, जहां समूचे देश के लोगों बसे है, जिसे सांझा-संस्कृति का गौरव प्राप्त है, उस राज्य की राजनीति अब हिंदी से परहेज करती दिख रही है। आज उद्धव ठाकरे बोल रहे हैं कि देवेंद्र फडणवीस सरकार मराठी मानुष की शक्ति से हार गई,

पर वे इस बात को छिपा रहे हैं कि हारी सरकार नहीं, बल्कि राष्ट्र-भाषा हिंदी हारी है, जिसने मुंबई को सपनों का शहर बनाए रखा है।

भारत विविधताओं का देश है, यहां भाषाएं न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी हैं। परंतु जब भाषाएं टकराव का विषय बन जाएं, तो वह केवल भाषाई संकट नहीं रह जाता, बल्कि एक सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दा बन जाता है। ऐसा ही कुछ महाराष्ट्र में देखने को मिल रहा है, जहां हिंदी भाषा को लेकर एक अनकहा-अनचाहा-सा संघर्ष चल रहा है। महाराष्ट्र में मराठी भाषा केवल एक भाषा नहीं, बल्कि मराठी अस्मिता का प्रतीक है। कई मराठी संगठनों और राजनीतिक दलों का यह मानना है कि हिंदी भाषा का बढ़ता वर्चस्व मराठी संस्कृति के लिए खतरा बन सकता है।

फडणवीस सरकार की ताजा घोषणा यह दर्शा रही है कि हिंदी का मुद्दा राज्य में विपक्षी दलों के हाथों का एक ताकतवर राजनीतिक हथियार बनता जा रहा था। न केवल विपक्ष के सभी दल इस मसले पर एकजुट और विधानसभा के मॉनसून सत्र को हंगामेदार बनाने पर आमादा थे, बल्कि ठाकरे बंधुओं को भी हिंदी विरोध की राजनीति की अपनी जानी-पहचानी जमीन वापस मिलती दिख रही थी। क्योंकि शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के शुरुआती दौर में पार्टी खास तौर पर हिंदीभाषियों के विरोध के लिए जानी जाती थी। मुंबई और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों की निरंतर बढ़ती आबादी को शिवसेना मराठी अस्मिता के लिए खतरे के रूप में देखती थी। हालांकि बाद के दौर में, खासकर नब्बे के दशक से भाजपा के गठबंधन में शिवसेना की राजनीति भी हिंदी से हिंदू की ओर मुड़ती गई। ऐसे में निश्चित ही मराठा राजनीति से हिन्दी विरोध की उम्मीद नहीं थी। अब तक तमिलनाडु को ही हिंदी विरोध के लिए जाना जाता था, पर इधर तीखे हिंदी विरोध में कर्नाटक के साथ ही, महाराष्ट्र भी शामिल हो गया है। दुनिया की सर्वाधिक तीसरी बोली जाने वाली हिन्दी भाषा अपने ही देश में उपेक्षा एवं राजनीति की शिकार है। अब केन्द्र सरकार के साथ-साथ हिंदी समाज को ज्यादा सजग होना पड़ेगा। हिन्दी भाषी प्रांतों को अपनी राजनीतिक व आर्थिक शक्ति को इतना बल देना पड़ेगा कि कम से कम तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अहिंदीभाषी राज्यों में स्वीकार किया जाए। क्या हिंदी प्रदेश के नेता इससे सबक लेंगे? हालांकि, जिस तरह की त्रासद भाषा-राजनीति महाराष्ट्र में हो रही है, उससे यही लगता है कि इसके लिये बनी समितियों में बैठने वाले विशेषज्ञों की राय को किनारे कर दिया जाएग और राष्ट्रीयता पर क्षेत्रीयता की जीत हासिल हो जाएगी। महाराष्ट्र में बढ़ते हिन्दीभाषियों के अनुपात को देखते हुए देर-सबेर हिन्दी को अपनाना ही लोकतांत्रिक दृष्टिकोण है। चाहे मुंबई हो या महाराष्ट्र, कुल आबादी में हिंदीभाषियों का बढ़ता अनुपात हिन्दी के पक्ष में है। 2001 की जनगणना के मुताबिक हिंदीभाषियों की संख्या मुंबई में 25.9 प्रतिशत और मराठीभाषियों की 42.9 प्रतिशत थी जो 2011 में क्रमशः 30.2 प्रतिशत और 41 प्रतिशत हो गई। महाराष्ट्र में इसी अवधि में जहां मराठीभाषी आबादी 76 प्रतिशत से 73.4 प्रतिशत पर आ गई, वहीं हिंदीभाषियों का अनुपात 7.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.5 प्रतिशत हो गया। इसीलिये हिंदी लादने के इस फैसले ने न केवल उद्धव और राज ठाकरे को आक्रामक रूप में सामने ले आई बल्कि 20 साल बाद उद्धव और राज ठाकरे के एक मंच पर आने की खबर ने महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचा दी। 5 जुलाई को होने वाली हिन्दी विजय रैली पर महाराष्ट्र के लोगों की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि मराठी भाषा और संस्कृति के मुद्दे पर सुर में सुर मिलाने वाले उद्धव और राज ठाकरे को सियासी हौसला मिल गया है। जिसे महाराष्ट्र की सियासत में एक नया मोड़ माना जा रहा, लेकिन साथ ही सवाल है कि उद्धव और राज ठाकरे की सियासी केमिस्ट्री कब तक बरकरार रहेगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय सीमा बैठक संपन्न

शासन की योजनाएं समयबद्ध तरीके से हो पूरी, कलेक्टर ने अफसरों को दिए स्पष्ट निर्देश

"समय पर काम नहीं तो जवाबदेही होगी तय" योजनाओं की गुणवत्ता और गति दोनों पर होगी अब सख्त निगरानी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले की साप्ताहिक समय-सीमा की समीक्षा बैठक आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, विनायक शर्मा तथा जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। बैठक में समस्त जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी, जनपद पंचायतों के सीईओ, तहसीलदार, नगर निकायों के सीएमओ सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान जिले में संचालित शासकीय योजनाओं की प्रगति, लंबित कार्यों, पंचायत स्तर की समस्याओं तथा हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों को समय पर उपलब्ध हो, इसके लिए सभी विभाग जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करें तथा जनप्रतिनिधियों के साथ सतत समन्वय बनाए रखने के लिए निर्देश दिए गए । वहीं बैठक की शुरुआत में कलेक्टर ने अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण से संबंधित विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि कुछ तबादले प्रशासनिक होते हैं और कुछ व्यक्तिगत। उन्होंने कहा कि जो कर्मचारी कुशलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं, उनके नामों पर जिला स्तर पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए मुद्दों को शीघ्र प्राथमिकता के साथ निराकरण कर जिला पंचायत को अवगत कराने के निर्देश भी दिए गए। वहीं मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीएम पोर्टल एवं ई-समाधान पोर्टल से प्राप्त शिकायतों के शीघ्र निराकरण पर बल देते हुए कलेक्टर ने विकास योजनाओं की सतत निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शासकीय आवास, कार्यालय हेतु भूमि आबंटन, डीपीआरसी भवन, नवोदय विद्यालय, प्रधानमंत्री आवास योजना, वन अधिकार पट्टा वितरण, खेलो इंडिया योजना, ई-श्रम पोर्टल, राशन कार्ड वितरण, सहकारी समितियों की स्थिति, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्कूल भवन निर्माण तथा सड़कों से जुड़ी योजनाओं की भी बिंदुवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने विशेष रूप से स्कूलों में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण को शीघ्र पूर्ण कराने, साथ ही वन विभाग से संबंधित सभी लंबित कार्यों जैसे स्पोर्ट्स लैड, रेलवे लाइन, वन अधिकार पत्र, सुशासन तिहार से जुड़े आवेदनों, सीएससी खड़गवां भूमि आबंटन, सैनेटरी लैंड, आदिवासी विभाग की भूमि तथा पीएचई चैनपुर प्रकरणों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। इसके साथ ही चिरमिरी हॉर्टीकल्चर, छात्रावास वार्ड, पीएम जनमन योजना तथा पीडब्ल्यूडी के कार्यों की एनओसी प्रक्रिया में पारदर्शिता बरतने की बात कही गई। मनेंद्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर ब्लॉकों में आयोजित शिविरों की समीक्षा के दौरान आधार कार्ड, राशन कार्ड, नवीन राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, केसीसी, मनरेगा जॉब कार्ड, दिव्यांग प्रमाण पत्र, सीमांकन, फौती नामांतरण, जाति प्रमाण पत्र, किसान किताब, शिकलसेल जांच और श्रमिक कार्ड जैसी सेवाओं की स्थिति की जानकारी ली गई।

इसके साथ ही कलेक्टर ने निर्देशित किया कि शिकलसेल जांच में पॉजिटिव पाए गए सभी व्यक्तियों को दिव्यांग प्रमाण पत्र शीघ्र जारी किए जाएं ताकि उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्कूलों में जाकर हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी के विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ ने अक्टूबर तक तीन हजार आवास पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। नरेगा विभाग को नर्सरी प्लांट के लिए भूमि आबंटन तथा 29 जून को आयोजित ग्राम सभाओं में प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए। इसके अलावा जिले की मनेंद्रगढ़, खड़गवां एवं भरतपुर ब्लॉकों में अमृत सरोवर की स्थिति, नए आंगनबाड़ी भवनों का निर्माण, जनपद स्तर पर दुकान नीलामी, महतारी सदन की प्रगति की भी समीक्षा की गई। निमोरा में जनप्रतिनिधियों के लिए प्रस्तावित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी अधिकारियों को दी गई। कलेक्टर ने जिले के 15 ग्रामों में प्रस्तावित शिविरों में सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पत्नी की हत्या करने वाला पति गिरफ्तार

मानसिक रूप से विक्षिप्त बेटी को लेकर होता था विवाद, धारदार हथियार से गला-पेट पर हमला

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। पत्नी की हत्या करने वाले पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पति अपनी मानसिक रूप से विक्षिप्त बेटी को लेकर पत्नी के साथ अक्सर विवाद करता था। विवाद के बाद पति ने अपनी पत्नी का धारदार हथियार से गले और पेट पर हमला कर दिया। जिससे पत्नी की इलाज के दौरान मेकाहारा अस्पताल में मौत हो गई। यह पूरा मामला न्यू राजेन्द्र नगर थाना का है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 21 जून को सौम्या अठवानी ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। जिसमें बताया कि, उसकी बहन इशिता अठवानी ने साल 2019 में रिंकू अठवानी से लव मैरिज किया था। दोनों की एक 5 साल की बच्ची है। जो मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने से बातचीत ज्यादा नहीं करती हैं। इस बात को लेकर रिंकू अपनी पत्नी इशिता से अक्सर विवाद किया करता था।

कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने भेजा जेल: 21 जून की सुबह आरोपी ने अपनी पत्नी के साथ जमकर विवाद किया। जब रिश्तेदारों को पता चला तो वह घर पहुंचे। इस दौरान रिंकू अपने कमरे से बाहर निकल रहा था उसके कपड़ों पर खून लगा हुआ था। उसने इशिता के गला, पेट और दाहिने भुजा पर धारदार हथियार से हमला कर दिया था। इसके बाद लहूलुहान हालत में इशिता को अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। इस मामले में पुलिस ने आरोपी रिंकू अठवानी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पीएम आवास योजना में फर्जीवाड़ा

अपने ही रिश्तेदारों के नाम फर्जी पंजीयन कर निकाली राशि, आवास मित्र, रोजगार सहायक और सचिव पर एफआईआर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री आवास योजना में फर्जीवाड़ा करने का मामला सामने आया है। आवास मित्र, रोजगार सहायक और पंचायत सचिव ने मिलकर अपने ही परिवार के सदस्यों का फर्जी पंजीयन कर दिया। कूटरचना कर 6 हितग्राहियों के खाते से राशि निकाल ली। जांच के बाद तीनों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। मामला तखतपुर थाना क्षेत्र का है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत जनपद पंचायत तखतपुर के ग्राम पंचायत बांधा में हितग्राही चयन में अनियमितता बरतने की शिकायत मिली थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत के सीईओ संदीप अग्रवाल ने जांच के लिए टीम गठित की। टीम ने जांच की, तब पता चला कि आवास मित्र राजेश कुमार सोनवानी ने कूटरचना कर हुए फर्जी तरीके से राशि अपने रिश्तेदारों का फर्जी पंजीयन कर निकाल ली है।

इन हितग्राहियों की राशि का किया गबन: जांच में पता चला कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 6 हितग्राही लैनी बाई पति जनक राम गंधर्व, राजेश कुमार पति कन्हैया, सरस्वती मरावी पति रामस्वरूप, सोना पति प्रदीप कुमार अग्रवाल, रामफल पोर्ते और गंगोत्री यादव के नाम स्वीकृति मिली थी। लेकिन, आवास मित्र ने अपने परिवार के सदस्यों का फर्जी पंजीयन व जियो टैगिंग कर राशि गबन कर ली।

ऐसा कर उसने आवास की राशि का दुरुपयोग किया है। इस मामले में तत्कालीन अस्थायी रोजगार सहायक रितेश श्रीवास ने हितग्राहियों के आवासों का गलत पंजीयन और जियो टैगिंग किया। वहीं, पंचायत सचिव दिलीप पात्रे ने ग्राम सभा में गलत दस्तावेजों को सत्यापित करते हुए गलत प्रस्ताव पारित किया। जांच में मिली गड़बड़ी के बाद जनपद सीईओ ने तीनों के खिलाफ थाने में केस दर्ज कराया है।

थानेदार समेत 3 पुलिसकर्मी सस्पेंड

पश्चिम-बंगाल से कथित आरोपी को पकड़कर ला रहे थे, झारखंड में पकड़ाए, बिना सूचना दिए जाने पर एक्शन

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर पुलिस के 2 प्रधान आरक्षक पश्चिम बंगाल से कथित आरोपी को लेकर इनोवा से आ रहे थे। उसे झारखंड पुलिस ने रांची में पकड़ लिया। रांची पुलिस को इनोवा वाहन से प्रभावशाली व्यक्ति के पश्चिम बंगाल से अपहरण की सूचना मिली थी। मामले में बलरामपुर एसपी वैभव बैंकर ने कुसमी थाना प्रभारी ललित यादव समेत दो प्रधान आरक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, बलरामपुर के कुसमी थाने के प्रभारी ललित यादव ने थाने के दो प्रधान आरक्षकों विष्णुकांत मिश्रा और प्रांजुल कश्यप को बिना वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति या किसी को बिना सूचना दिए पश्चिम बंगाल भेजा था। मामला धोखाधड़ी की शिकायत का था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को कथित आरोपी को पकड़ने के लिए वर्धमान जाने इनोवा वाहन उपलब्ध कराई थी। तीन दिन पहले इनोवा वाहन लेकर दोनों प्रधान आरक्षक पश्चिम बंगाल के वर्धमान पहुंचे।

झारखंड में पुलिस ने घेरा, डीजीपी को आया फोन: वर्धमान में जिस व्यक्ति के खिलाफ शिकायत थी, वह प्रभावशाली है। दोनों प्रधान आरक्षकों ने उसे पकड़ा और सड़क मार्ग से लेकर बलरामपुर आ रहे थे। झारखंड पुलिस को इनोवा में उनके अपहरण की सूचना मिली। मंगलवार को झारखंड पुलिस ने रांची में इनोवा वाहन को पकड़ लिया। जब दोनों प्रधान आरक्षकों ने खुद को छत्तीसगढ़ पुलिस का कर्मी बताया, तो मामला झारखंड डीजीपी तक पहुंच गया। झारखंड के डीजीपी ने इसकी जानकारी छत्तीसगढ़ के डीजीपी को दे दी। छत्तीसगढ़ के डीजीपी ने इसकी जानकारी सरगुजा आईजी से ली। बलरामपुर एसपी से बात होने के बाद दोनों प्रधान आरक्षकों को झारखंड पुलिस ने छोड़ दिया।

एसपी ने किया तीनों को सस्पेंड: बलरामपुर एसपी ने थाना प्रभारी की तरफ से बिना अनुमति या पूर्व सूचना दो प्रधान आरक्षकों को पश्चिम बंगाल भेजने पर थानेदार ललित यादव सहित दोनों प्रधान आरक्षकों को सस्पेंड कर दिया है। तीनों को लाइन अटैच कर दिया गया है।

रॉयल ट्रेवल्स के बस ड्राइवर पर एफआईआर

तेज रफ्तार में हाईवा को पीछे से मारी थी टक्कर,महिला समेत 3 की हुई थी मौत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रॉयल ट्रेवल्स के बस ड्राइवर पर एफआईआर दर्ज हुई है। ड्राइवर मोहम्मद इब्राहीम निवासी धमतरी ने तेज रफ्तार में हाईवा को पीछे से टक्कर मारी थी। इस मामले में एक महिला समेत 3 लोगों की मौत हुई थी। एक्सीडेंट में 6 व्यक्ति घायल हुए थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में अभनपुर पुलिस आगे की जांच पड़ताल कर रही है। बस में सवार एक व्यक्ति भूषण निषाद निवासी बलौदाबाजार ने पुलिस को बताया कि सुबह 4 बजे बस केंद्री के पास पहुंची थी। तभी एक्सीडेंट हुआ है। बस ड्राइवर (क्रमांक सीजी 04 ई 4060) गाड़ी को तेज और लापरवाही पूर्वक चला रहा था, तभी उसने सामने चल रही एक हाईवा को पीछे से टक्कर मार दी। इस एक्सीडेंट में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। वहीं करीब 6 लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही अभनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को 108 एम्बुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

पत्नी ने 22 साल बाद मांगा भरण-पोषण, याचिका खारिज

हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश पर लगाई मुहर, कहा- अब भरण-पोषण पाने का हकदार नहीं

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने 22 साल बाद पति से भरण पोषण की मांग को लेकर दायर महिला की याचिका को खारिज कर दी है। साथ ही कहा है कि इतने लंबे अंतराल के बाद वो भरण-पोषण पाने की हकदार नहीं है। इस मामले में हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को सही ठहराया है।

दरअसल, दुर्ग में रहने वाली महिला ने अपने पति के खिलाफ बीएनएस की धारा 144 के तहत आवेदन देकर अंतरिम रूप से हर माह 40 हजार रुपए भरण-पोषण और 25 हजार रुपए मुकदमे पर हुए खर्च की मांग की थी। फैमिली कोर्ट ने यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी थी कि महिला 22 वर्षों तक चुप रही। अब अचानक भरण पोषण की मांग करना तर्कसंगत नहीं है। फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ महिला ने हाईकोर्ट में पुनरीक्षण याचिका लगाई थी।

पटवारी थी महिला, 2019 में बर्खास्त होने के बाद मांगा भरण-पोषण: महिला ने कोर्ट को बताया कि वह पहले सरकारी नौकरी में थी, लेकिन अब बेरोजगार है। साल 2002 में पति और सास ने उसे और बेटे को घर से निकाल दिया था। साल 2007 में उसे पटवारी की नौकरी मिली थी। लेकिन, बाद में वह एक आपराधिक मामले में फंस गई और 2019 में सेवा से बर्खास्त कर दी गई। इसके चलते अब उसे भरण-पोषण की जरूरत है।

पति ने निकाला, इसलिए है हकदार: महिला ने हाईकोर्ट में तर्क दिया कि, पत्नी होने के नाते वो भरण-पोषण की हकदार है। उसके पति ने ही 2002 में उसे घर से निकाल दिया। कहा कि उसने अपनी सारी जमा पूंजी बेटे की पढ़ाई और बीमार पिता की दवाइयों में खर्च कर दी है। हालांकि, हाईकोर्ट महिला के तर्कों से सहमत नहीं हुआ। याचिका खारिज करते हुए कहा कि, महिला ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इतने वर्षों बाद आखिर किन कारणों से अचानक भरण-पोषण की जरूरत पड़ी। महिला पहले सरकारी सेवा में थी और उसने अपनी बेरोजगारी की स्थिति को भी स्पष्ट नहीं किया, ऐसे में माना जा सकता है कि उसके पास कुछ संसाधन तो हैं।

हेडमास्टर ने बनाया महिला टीचर्स का अश्लील वीडियो, टॉयलेट में छिपाकर रखा था मोबाइल; 2 महीने से कर रहा था रिकॉर्डिंग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। एक सरकारी स्कूल का हेडमास्टर महिला टॉयलेट में मोबाइल रखकर अश्लील वीडियो बनाता था। मंगलवार को महिला शिक्षक की नजर मोबाइल पर पड़ी। फोन चालू था और उसमें वीडियो रिकॉर्डिंग चल रही थी। तब पूरे स्टाफ को इसकी जानकारी लगी। मामला तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र के ग्राम बिलाड़ी के मिडिल स्कूल का है। जांच में पता चला कि यह मोबाइल स्कूल के प्रधान पाठक भूपेंद्र कुमार साहू (44 साल) का है, वह स्कूल का संकुल समन्वयक भी है। वह पिछले 2 महीने से ऐसी हरकत करता आ रहा है।

दूसरे मोबाइल-लैपटॉप में ट्रांसफर करता था: आरोपी हेडमास्टर रोज वीडियो बनाता था और उसे दूसरे मोबाइल-लैपटॉप में ट्रांसफर कर देता था। महिला टीचर्स ने तिल्दा-नेवरा थाने पहुंचकर हेडमास्टर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एपआईआर दर्ज कर पूछताछ की। आरोपी हेडमास्टर ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। इसका खुलासा होने के बाद अब महिला टीचर्स डरी हुई हैं। परिवार वाले अपनी बच्चियों को उस स्कूल में पढ़ाना नहीं चाह रहे हैं। फिलहाल, पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

पिछले 2 महीने से रखता आ रहा था मोबाइल: पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह रिकॉर्ड किए गए वीडियो को दूसरे मोबाइल और लैपटॉप में ट्रांसफर करता था, फिर वीडियो बाद में देखा करता था। यह काम वह पिछले 2 महीनों से कर रहा था।

मोबाइल में वीडियो डिलीट, साइबर सेल करेगी जांच: तिल्दा नेवरा थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी भूपेंद्र कुमार साहू के खिलाफ आईटी एक्ट 66 डी, 77,238 के तहत अपराध दर्ज किया गया। मोबाइल की जांच करने पर वीडियो डिलीट मिले। अब उस मोबाइल की जांच के लिए उसे साइबर सेल भेज गया है। आरोपी प्रधान पाठक को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया।

तिलहन उत्पादन बढ़ाने के लिए भरतपुर ब्लॉक के किसानों को नि :शुल्क मूंगफली बीज एवं अरहर मिनीकीट का किया गया वितरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में तिलहन फसलों के क्षेत्र विस्तार और उत्पादन वृद्धि को लेकर कृषि विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। नेशनल मिशन ऑन इडिबल ऑयल योजना के अंतर्गत किसानों को उन्नत किस्म के मूंगफली बीज और अरहर मिनीकीट का निशुल्क वितरण किया जा रहा है, जिससे उन्हें वैकल्पिक फसलों के प्रति प्रोत्साहित किया जा सके। इसी क्रम में 01 जुलाई 2025 को विकासखंड भरतपुर की ग्राम पंचायत बहरासी एवं खमरौध में बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत कृषि स्थायी समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुखमंती सिंह, जनपद अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, स्थानीय जनपद सदस्यगण एवं सरपंच महोदयाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर किसानों को न केवल बीज वितरित किए गए, बल्कि तिलहन एवं दलहन फसलों के महत्व और लाभों की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को धान के साथ-साथ दलहन एवं तिलहन की खेती को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। किसानों को बताया गया कि मूंगफली जैसे तिलहन फसलें न केवल भूमि की उर्वरता को बनाए रखती हैं, बल्कि कम लागत में अधिक लाभ की संभावना भी प्रदान करती हैं। इसके साथ ही अरहर जैसी दलहन फसलें भी मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने में मदद करती हैं और पोषण सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। इस बीज वितरण कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र के किसानों में तिलहन-दलहन फसलों के प्रति रुचि बढ़ी है और आने वाले समय में जिले में इन फसलों के क्षेत्रफल और उत्पादन में निश्चित रूप से उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिलेगी। किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और कृषि को लाभकारी व्यवसाय में परिवर्तित करने की दिशा में यह पहल एक मजबूत कदम साबित हो रही है।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण का द्वितीय चरण संपन्न, बालिकाओं को मिला सशक्तिकरण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बड़ाबाजार चिरमिरी में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय चरण सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। इस चरण में लगभग 80 बालिकाओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर शा.क.उ.मा.वि.बड़ाबाजार के प्रभारी प्राचार्य मदन लाल सागर नितेश मिश्रा (व्याख्याता), दीपक कुमार गोंड (व्याख्याता), स्मृति सोभती (अतिथि शिक्षिका) एवं शा.क.पूर्व माध्यमिक विद्यालय से प्राचार्य सविता श्रीवास्तव सहित समस्त शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहे। यह आयोजन कलेक्टर के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती, महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन महिला सशक्तिकरण मिशन शक्ति हब की जिला मिशन समन्वयक तारा कुशवाहा, वित्तीय साक्षरता समन्वय अनीता कुमारी साह एवं मास्टर ट्रेनर प्रभावती द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान बालिकाओं को आत्मरक्षा के विविध तकनीकों के साथ-साथ "मिशन शक्ति", सखी वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, नवा बिहान- घरेलू हिंसा से महिलाओं के संरक्षण अधिनियम 2005, एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।

इस प्रकार का प्रशिक्षण न केवल बालिकाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सुरक्षित जीवन की ओर अग्रसर करने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

खड़ी ट्रक से टकराई यात्री बस, 6 घायल

गैस कटर से काटकर यात्रियों को बाहर निकाला, 30 सवार थे; ड्राइवर भागा

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (एजेंसी)। जिले में एक यात्री बस सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गई। गढ़वा से रायपुर जा रही हादसे में बस में सवार 6 लोग घायल हो गए। बस में करीब 30 यात्री सवार थे। सामने की सीट पर बैठा एक यात्री बस में फंस गया। उसे बाहर निकालने में 5 घंटे लग गए।

मामला बांगो थाना क्षेत्र का है। पुलिस और स्थानीय लोगों ने गैस कटर की मदद से यात्री को बाहर निकाला। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पोड़ी-उपरोड़ा में भर्ती कराया गया है। घायलों में से दो की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बस की स्पीड काफी तेज थी। ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और बस ट्रेलर से टकरा गई। हादसे के बाद बस ड्राइवर गाड़ी छोड़कर मौके से भाग गया।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

बस मालिक ने दूसरी बस की व्यवस्था की और बाकी यात्रियों को उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। बांगो थाना प्रभारी और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली सीएम के बंगले का रेनोवेशन होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नए सरकारी बंगले (बंगला नंबर 1, राज निवास मार्ग) में जल्द ही मरम्मत और सजावट का काम शुरू होगा। यह बंगला पहले उपराज्यपाल सचिवालय के दफ्तर की तरह इस्तेमाल हो रहा था। अब इसे मुख्यमंत्री और उनकी फैमिली के रहने लायक बनाया जाएगा। बंगले में 24 एयर कंडीशनर, 5 स्मार्ट टीवी (चार 55 इंच और एक 65 इंच), 3 बड़े झूमर, 80 से ज्यादा पंखें लगाए जाएंगे। किचन में नई मशीनें जैसे गैस हॉब, इलेक्ट्रिक चिमनी, माइक्रोवेव, टोस्ट ग्रिल, वॉशिंग मशीन, डिशवॉशर, 50 लीटर प्रति घंटे की आरओ वॉटर प्लांट की सुविधा दी जाएगी। रेनोवेशन के फर्स्ट फेज का कुल बजट 60 लाख रुपए है। अकेले एयर कंडीशनिंग पर 11 लाख रुपए से ज्यादा खर्च होगा और लाइट्स, झूमरों पर 6 लाख रुपए का बजट रखा गया है। बंगला नंबर 1 एक टाइप वीआईआई आवास है, जिसमें 4 बेडरूम, ड्राइंग रूम, विजिटर्स हॉल, नौकरों का कमरा, किचन, लॉन और बैकयार्ड शामिल हैं। पिछले साल पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के सरकारी बंगले के रेनोवेशन को लेकर विवाद हुआ था। तब भाजपा ने बंगले को केजरीवाल का शीशमहल बताया था।

प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली में कृत्रिम बारिश होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली और सर्दी के मौसम में होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली में कृत्रिम बारिश कराई जाएगी। उड्डयन महानिदेशालय ने इसकी मंजूरी दी। पर्यावरण मंत्री मंजींदर सिंह सिरसा ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह ट्रायल अगस्त के आखिरी सप्ताह से सितंबर के पहले हफ्ते के बीच किया जाएगा। कुल 5 ट्रायल किए जाएंगे ताकि यह समझा जा सके कि दिवाली और सितंबर के दौरान बढ़ने वाले स्मॉग को कम करने में यह तकनीक कितनी कारगर है। यह फैसला 7 मई को दिल्ली कैबिनेट की बैठक में लिया गया था। सरकार ने इस योजना को आईआईटी कानपुर के सहयोग से लागू करने का फैसला किया है।सरकार के मुताबिक, एक बार कृत्रिम बारिश कराने की लागत करीब 66 लाख रुपये होगी, जबकि पूरे ऑपरेशन का खर्च 55 लाख रुपये रहेगा। कुल मिलाकर इस पूरे ट्रायल पर करीब 2 करोड़ 55 लाख रुपए का खर्च आएगा। दिल्ली के बाहरी इलाकों में ट्रायल होगा ट्रायल दिल्ली के बाहरी इलाकों में किया जाएगा। इसके लिए अलीपुर, बवाना, रोहिणी, बुराड़ी, पावी सड़कपुर और कुंडली बॉर्डर के इलाकों को चुना गया है। क्लाउड सीडिंग 30 अगस्त से 10 सितंबर के बीच किया जाएगा। पहले यह ट्रायल जुलाई में होना था, लेकिन मौसम वैज्ञानिकों के सुझाव पर इसे टाल दिया गया।

हिमाचल में 30 जून की रात 16 जगह बादल फटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 30 जून की रात को बादल फटने से पटिकरी पावर प्रोजेक्ट पूरी तरह से तबाह हो गया। 12 कर्मचारियों ने भागकर जान बचाई। हिमाचल प्रदेश में 20-21 जून को मानसून की एंट्री हुई थी। अब तक 20 से ज्यादा जगह बादल फटने की घटना हो चुकी हैं। अकेले 30 जून की रात मंडी और किन्नौर में 16 जगह बादल फटे थे। इस मानसून में राज्य में लैंडस्लाइड-बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में अब तक 51 लोगों की मौत हो चुकी है। 22 से ज्यादा लोग लापता हैं। 40 के करीब मकान पूरी तरह ढह गए हैं। मंडी जिले से बहने वाली ब्यास नदी उफान पर है।

मुयमंत्री ने प्रधानमंत्री का माना आभार

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार जिले में निर्माणाधीन प्रधानमंत्री मित्रा पार्क के प्रथम चरण में अधोसंरचना विकास की प्रक्रिया आरंभ होने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय कपड़ा मंत्री श्री गिरिराज सिंह का हृदय से आभार माना है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा धार की 2158 एकड़ भूमि पर लगभग 2050 करोड़ की लागत से विकसित हो रहे पीएम मित्रा पार्क के लिए हाल ही में 773 करोड़ रुपए के टेंडर जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह पहल मध्यप्रदेश में कपड़ा उद्योग (टेक्सटाइल सेक्टर) को नई गति प्रदान करेगी। मध्यप्रदेश लगातार विकसित राज्य बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी

द्वारा दी गई पीएम मित्रा पार्क की सौगात निश्चित रूप से प्रदेश के विकास और कपड़ा उद्योग में नए युग का शुभारंभ करेगी। पीएम मित्रा पार्क में 20 एमएलडी शून्य अपशिष्ट जल निकासी संयंत्र, सौर ऊर्जा आधारित पॉवर प्लांट, प्लग एंड प्ले इकाइयां (बिल्ट टू सूट -) और श्रमिकों के लिए आवासीय सुविधाएं विकसित की जाएँगी।

सभी निर्माण कार्य 14 माह के भीतर पूर्ण किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पीएम मित्रा पार्क के लिए शीघ्र ही भूमि आवंटन के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। अब तक 10 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जो उद्योग जगत के उत्साह को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम मित्रा पार्क भारत के टेक्सटॉइल क्षेत्र को मध्यप्रदेश से नई ऊर्जा और दिशा देगा। इससे लाखों लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को व्यापक बल मिलेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी का इस दूरदर्शी योजना के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि यह योजना आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। मध्यप्रदेश के धार जिले की बदनावर तहसील के भैंसोला गांव में पीएम मित्रा पार्क स्थापित करने के प्रस्ताव को मार्च, 2023 में भारत सरकार से औपचारिक मंजूरी मिली। यह इंदौर से 110 किलोमीटर और पीथमपुर औद्योगिक क्लस्टर 85 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह रतलाम से दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस-वे से 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसी तरह निकटतम बंदरगाह गुजरात के हजीरा से इसकी दूरी 452 किलोमीटर है।

कोविड के बाद अचानक मौतों पर स्टडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने अपनी स्टडी में बताया कि देश में हार्ट अटैक से होने वाली अचानक मौतों का कोविड वैक्सीन से कोई सीधा संबंध नहीं है। यह स्टडी 18 से 45 साल के लोगों की अचानक मौत पर आधारित है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। स्टडी में कहा गया है कि भारत की कोविड वैक्सीन सेफ और इफेक्टिव है। इससे होने वाले गंभीर साइडइफेक्ट के मामले रेयर हैं।

मीडिया के सवालों पर भड़के सिद्धारमैया

चिकबल्लापुर (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि वे पूरे पांच साल तक ष्टरूपद पर बने रहेंगे। चिकबल्लापुर में मीडिया ने जब उनसे पूछा कि क्या वे पांच साल तक सीएम रहेंगे, इसके जवाब में दिग्गज नेता ने कहा, हां, मैं रहूंगा। आपको इसमें संदेह क्यों है? भाजपा और जेडी(एस) के इस दावे पर कि सीएम को बदला जाएगा, सिद्धारमैया ने पलटवार करते हुए कहा- क्या वे हमारे हाईकमान हैं।

उन्होंने पूछा, आर अशोक, बीवाई विजयेंद्र, चलवडी नारायणस्वामी भाजपा के आदमी हैं। अगर वे ऐसी बातें कहते हैं तो क्या आप लिखेंगे। आपको इसकी पुष्टि करनी चाहिए या नहीं। इधर, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है और वे सिद्धारमैया का साथ देंगे। उनका समर्थन करेंगे। डीके ने संकेत दिया कि उनके पास सिद्धारमैया का साथ देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसके पहले भी शिवकुमार ने कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस में कोई असंतोष नहीं है और जब सिद्धारमैया मुख्यमंत्री हैं, तो नेतृत्व के मुद्दे पर किसी तरह के विवाद की कोई जरूरत नहीं है। पार्टी अनुशासन महत्वपूर्ण है, मैंने किसी से खुद को मुख्यमंत्री बनाने के लिए नहीं कहा है। शिवकुमान ने यह चेतावनी भी दी कि सीएम बदलने के मुद्दे पर सार्वजनिक बयान देने वाले नेताओं को नोटिस जारी किए जाएंगे। मई 2023 में विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी, और कांग्रेस ने बाद में उन्हें मनाने में कामयाबी हासिल की और उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया।

संसद सुरक्षा चूक केस-दिल्ली हाईकोर्ट से 2 आरोपियों को जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने संसद की सिक्योरिटी तोड़ने के मामले में नीलम आजाद और महेश कुमावत को जमानत दे दी। कोर्ट ने बुधवार को उन्हें 50 हजार रुपए के निजी बॉण्ड पर जमानत दे दी। मंजूर की गई। निचली अदालत ने दोनों की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की बेंच ने जमानत आदेश के तहत सख्त शर्तें भी लगाई हैं। आरोपियों को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने, इंटरव्यू देने या घटना के बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर रोक लगाई गई है। इसके अलावा दोनों व्यक्तियों को हर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को सुबह 10ः00 बजे संबंधित पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करने और दिल्ली एनसीआर से बाहर न जाने का भी निर्देश दिया है। पुलिस बोली- आरोपी प्रभावशाली, कोर्ट ने कड़ी जमानत शर्तें लगाईं दिल्ली पुलिस ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त और पुख्ता सबूत हैं।

पुलिस का तर्क था कि जमानत देने से इनके भागने, गवाहों को प्रभावित करने और सबूतों से छेड़छाड़ करने का जोखिम है। पुलिस ने आरोपियों को शक्तिशाली और प्रभावशाली बताते हुए कहा कि इनकी रिहाई जांच में बाधा डाल सकती है।

जैसलमेर की सड़क पर उतरे सेना के हेलिकॉप्टर

जैसलमेर (एजेंसी)। इसी सवाल का जवाब ढूंढने के लिए भारतीय सेना ने आज जैसलमेर में युद्धाभ्यास किया। जहां चीता और चेतक हेलिकॉप्टर सहित अन्य लड़ाकू हेलिकॉप्टर सड़क पर उतरे और आतंकियों को खत्म कर वापस हेलिकॉप्टर में चढ़कर उड़ान भरी। इसे हेलिबॉर्न ऑपरेशन कहा जाता है।राजस्थान के थार इलाके में भारतीय सेना की दक्षिणी कमांड ने हाई-इंटेंसिटी युद्धाभ्यास किया गया, जिसमें युद्ध के हर पहलू को व्यावहारिक स्तर पर परखा

गया। इस अभ्यास में सेना के टैंक भी शामिल हुए और टारगेट को सफलतापूर्वक नष्ट किया। इस दौरान एक खास तरीके की सर्जिकल स्ट्राइक की भी एक्सरसाइज की गई। इस एक्सरसाइज में सैनिकों ने लड़ाकू हेलीकाप्टर से जमीन पर उतरने का अभ्यास किया। इसके साथ ही आतंकियों को खत्म कर वापस हेलीकाप्टर में चढ़कर उड़ान भरी।

पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल 3 घंटे हिरासत में रहे

मोहाली (एजेंसी)। पंजाब में आय से अधिक संपत्ति केस में पकड़े गए पूर्व मंत्री व सीनियर अकाली नेता बिक्रम मजीठिया की रिमांड बढ़ा दी गई है। विजिलेंस ने मोहाली कोर्ट में बताया कि जांच के दौरान कई अहम सवालों पर मजीठिया सहयोग नहीं कर रहे हैं। एजेंसी ने अदालत से यह भी कहा कि उन्हें अब पंजाब से बाहर उत्तर प्रदेश के गोरखपुर ले जाकर पूछताछ करनी पड़ सकती है। करीब 4 घंटे चली सुनवाई के बाद कोर्ट ने चार दिन का रिमांड मंजूर कर लिया और अगली पेशी 6 जुलाई को होगी। इस दौरान अदालत परिसर को पूरी

तरह घेरा गया था। मीडिया को दूर रखने के लिए जहां गाड़ियों की बैरिकेडिंग की गई, वहीं कोर्ट के चारों ओर तिरपाल लगाकर हर दिशा से दृश्यता बंद कर दी गई।

पुलिस को सोनम के दो मंगलसूत्र मिले

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने नया दावा किया है। विपिन का कहना है कि जब मेघालय पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया था, तब उन्हें बताया गया कि सोनम के पास से दो मंगलसूत्र मिले हैं। इनमें से एक मंगलसूत्र वह है जो हमारे परिवार ने सोनम को शादी के समय दिया था, लेकिन दूसरा मंगलसूत्र कहां से आया, इसकी जानकारी नहीं है। हो सकता है जब सोनम राजा की मौत के बाद इंदौर में रुकी थी, तब उसने और राज कुशवाह ने शादी कर ली हो और ये दूसरा मंगलसूत्र उसी का हो सकता है। सोनम और राजा की शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी। वे 21 मई को हनीमून के लिए असम के गुवाहाटी से होते हुए मेघालय पहुंचे थे। 23 मई को पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा में नोंगरियाट गांव से लापता हो गए थे। राजा का क्षत-विक्षत शव 2 जून को वेइसाडोंग फॉल्स के पास एक घाटी में मिला था। सोनम 9 जून को यूपी के गाजीपुर में मिली थी। विपिन ने बताया कि पुलिस को सोनम के पास से पांच जोड़ी बिछुड़ी और पायजेब भी मिले हैं। ये गहने उनके परिवार ने नहीं दिए थे, यानी ये सोनम के पास पहले से रहे होंगे या किसी और ने दिए होंगे। उन्होंने कहा कि ये सब चीजें पुलिस की जांच में मदद कर सकती हैं। विपिन रघुवंशी ने बताया कि जब पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया था।

हरियाणा सरकार 8 हजार घर गिराएगी

फरीदाबाद (एजेंसी)। हरियाणा के फरीदाबाद में सरकार ने एलिवेटेड फ्लाईओवर के लिए 8 हजार मकानों को खाली कराकर गिराने की तैयारी कर ली है। इसके लिए बाकायदा पुनर्वास विभाग की तरफ से इन मकानों में रहने वालों को नोटिस भेज दिया गया है। इस नोटिस में लोगों को 10 जुलाई तक का ही समय दिया गया है। उन्हें चेतावनी भी दी गई है कि यदि निर्धारित समय सीमा में मकान खाली नहीं किया गया तो 10 जुलाई के बाद विभाग स्वयं कब्जा खाली करा लेगा। उधर, नोटिस मिलने के बाद से इन 8 हजार मकानों में बसे लोगों को छत छिनने का डर सताने लगा है। उनका कहना है कि वे पिछले करीब 50 साल से यहां रह रहे हैं। चुनाव में वोट भी करते हैं, अगर सरकार घर छीन लेगी तो वे कहां जाएंगे? उधर, बड़खल से विधायक धनेश अदलखा ने कहा कि वे किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देंगे।

पटना में पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज किया, लात-घूंसे बरसाए

पटना (एजेंसी)। सरकारी नौकरियों में डोमिसाइल और पारदर्शिता लागू करने की मांग कर रहे छात्रों पर बुधवार को पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। कुछ पुलिस वालों के पास लाठियां नहीं थीं। उन्होंने छात्रों को लात-घूंसों से पीटा।

पटना कॉलेज से छात्रों का प्रदर्शन सुबह शुरू हुआ था। सभी सीएम हाउस का घेराव करने निकले थे। पुलिस ने उन्हें डाकबंगला चौराहे पर बैरिकेडिंग कर रोका था।

डाकबंगला चौराहे पर छात्र बैरिकेडिंग तोड़कर आगे जाने की कोशिश रहे थे। पुलिस ने समझाया, लेकिन वो नहीं माने।

इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी होती रही। बारिश के बीच भी छात्र डटे रहे। शाम करीब 5 बजे के आसपास पुलिस ने छात्रों पर लाठीचार्ज कर दिया। मौके पर वाटर कैनन की गाड़ियां भी मंगवाई गई हैं। इस दौरान छात्रों ने भाजपा के सांसद की गाड़ी के सामने नारेबाजी भी की। राज्य के अलग-अलग जिलों से स्टूडेंट्स अपनी मांगों को लेकर पटना पहुंचे हैं। 5 जून को भी छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शन किया गया था।

यूपी के कांवड़ियों का ट्रक टिहरी में पलटा...3 की मौत

टिहरी (एजेंसी)। यूपी के कांवड़ियों का ट्रक उत्तराखंड में पलट गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, 14 घायल हैं। शिव शक्ति कांवड़ सेवा ट्रस्ट के लोग कांवड़ियों के लिए भंडारा लगाने जा रहे थे। बुधवार सुबह करीब 10 बजे नरेंद्र नगर के पास ऋषिकेश-टिहरी मार्ग पर जाजल फकोट के पास ट्रक पलट गया। सभी 21 लोग ट्रक के नीचे दब गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक सड़क किनारे पलटा था, अगर खाई में गिर जाता तो बड़ा हादसा हो जाता। हादसे की सूचना पर स्थानीय पुलिस और स्ठक्रन्न की टीम मौके पर पहुंची है। रेस्क्यू अभियान चलाकर बचाव कार्य में जुटी है। प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र नगर संजय मिश्रा ने बताया- एक चार साल का बच्चा भी ट्रक में आगे फंसा था, जिसको पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।

सीएम रेखा गुप्ता ने अरविंद केजरीवाल पर किया कटाक्ष

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग में जीर्णोद्धार के बाद शीश महल का उद्घाटन करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि एक शीश महल जनता के पैसे से अपनी अय्याशी के लिए बनाया गया था, जबकि आज जिस शीश महल का उद्घाटन हो रहा है, वह जनता के लिए, जनता के द्वारा और जनता के प्रतिनिधियों द्वारा उन्हें सौंपा गया है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का विशेष धन्यवाद किया। ऐतिहासिक धरोहरें मिट्टी में दबी पड़ी थीं, लेकिन आज उन्हें फिर से जीवंत किया गया है। उन्होंने कहा, मैं जनता को एक सुंदर शीश महल बनाकर सौंप रही हूं। अब इसकी देखरेख करना हमारे क्षेत्रवासियों का फर्ज है। रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि हर विधानसभा में आज विकास के कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार को एलजी से बहुत तकलीफ थी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि वर्षों से हमारी इस विधानसभा में कभी किसी ने भी झांककर भी नहीं देखा। आखिरी बार जहां पर अगर कोई मुख्यमंत्री इस विधानसभा में आया था तो वह साहिब सिंह वर्मा थे।

अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना

जम्मू (एजेंसी)।अमरनाथ यात्रा के लिए बुधवार को पहला जत्था जम्मू से रवाना हो गया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भगवती नगर बेस कैंप से जत्थे को झंडी दिखाई। इस दौरान श्रद्धालु हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारे लगाते रहे। आधिकारिक तौर पर यात्रा की शुरुआत 3 जुलाई से होगी। वहीं, पंजाब के पठानकोट से भी यात्रियों के जत्थे को रवाना किया गया। यहां से श्रद्धालु बालटाल होकर बाबा बर्फानी की गुफा पहुंचेंगे।38 दिन तक चलने वाली यात्रा

पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से होगी। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा।

पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। इस साल अब तक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। तुरंत रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं। ये सेंटर रोज दो हजार श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आरबीआई ने कहा- वैध हैं 2000 के नोट, लेन-देन में कर सकते हैं उपयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने स्पष्ट किया है कि 2000 के नोट अभी भी लीगल टेंडर हैं यानी आप इनका उपयोग खरीदारी या भुगतान के लिए कर सकते हैं। हालांकि, इन्हें धीरे-धीरे सिस्टम से हटाने की प्रक्रिया जारी है। हालांकि बैंकों में 2000 के नोट बदलवाने की सुविधा 7 अक्टूबर 2023 को समाप्त हो गई थी, लेकिन आरबीआई के 19 इश्यू ऑफिस अब भी यह सेवा दे रहे हैं। लोग वहां जाकर अपने नोट जमा कर सकते हैं या उन्हें बदल सकते हैं। अगर आप आरबीआई के ऑफिस तक नहीं जा सकते, तो भारतीय डाक सेवा के जरिए भी नोट भेजे जा सकते हैं। डाकघर से नोट आरबीआई को भेजने पर वह राशि आपके बैंक खाते में जमा कर दी जाती है। यह सुविधा विशेष रूप से दूरदराज इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रही है। आरबीआई का कहना है कि 2000 का नोट एक तत्काल समाधान था, जो 2016 की नोटबंदी के बाद नकदी की कमी को दूर करने के लिए पेश किया गया था। अब जब छोटे मूल्यवर्ग के नोट भरपूर मात्रा में हैं, तो 2000 के नोट की आवश्यकता नहीं रह गई है।

मंधाना आईसीसी रैंकिंग में तीसरे नंबर पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना टी-20 बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के लाभ के साथ ही तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। मंधाना को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी-20 की सीरीज के पहले मैच में शतक का लाभ मिला है। उस मैच में उन्होंने चोटिल हरमनप्रीत कौर की जगह कप्तानी करते हुए टीम को जीत दिलायी थी। मंधाना ने 62 गेंद में 15 चौकों और तीन छक्कों के साथ 112 रन बनाए थे, जिसकी मदद से भारतीय टीम ने 97 रन से जीत हासिल की थी। मंधाना के अब सबसे अधिक 771 रेटिंग अंक हो गये है। ये उनके करियर की सबसे बेतर रैंकिंग है। वहीं वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज 774 अंक लेकर दूसरे जबकि ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 794 अंक के साथ पहले स्थान पर है। वहीं भारत की ही शेफाली वर्मा एक स्थान के लाभ के साथ ही 13वें जबकि हरलीन देयोल 86वें स्थान पर है। गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लौरेन बेल चौथे स्थान जबकि पाकिस्तान की स्पिनर सादियो इकबाल नंबर एक पर है।

लासिक अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता शनिवार को होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता इसी सप्ताह शनिवार को बेंगलुरु में होगी। श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी भाग लेंगे। इससे पहले ये प्रतियोगित 24 मई को होनी थी पर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के कारण स्थागित कर दिया गया था। ये पहली बार है जब भारत में किसी अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का आयोजन जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है और इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ से भी मंजूरी मिली हुई है।

घरेलू शेयर बाजार मे रही तेजी

सेंसेस 225 अंक बढ़कर 83,922 पर, निटी 25,600 पर

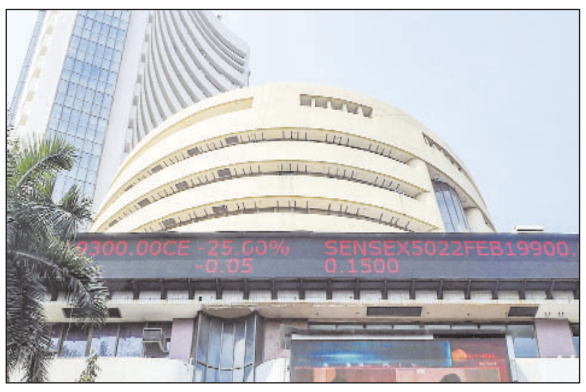

मुंबई (एजेंसी)। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों से बुधवार को भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में खुला। शुरुआती कारोबार में आईटी और ऑटो सेक्टर में खरीदारी देखी गई। सेंसेक्स 225.5 अंक बढ़कर 83,922.79 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 58.75 अंक बढ़कर 25,600.55 पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों के अनुसार 24,500-25,000 की रेंज को ब्रेक करने के बाद निफ्टी 25,200-25,800 की नई रेंज में चला गया है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संभावित व्यापार समझौते के बारे में सकारात्मक खबर रेंज की अपर लिमिट को ब्रेक करने में मदद कर सकती है, लेकिन निफ्टी को लंबे समय तक उच्च स्तर पर बनाए रखना मुश्किल होगा। शुरुआती कारोबार में निफ्टी बैंक 45.20 अंक की गिरावट के साथ 57,414.25 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 59.20 अंक की बढ़त के साथ 59,809.25 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 26.40 अंक की बढ़त के साथ 19,082.10 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स पैक में इंफोसिस, टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, टाटा स्टील, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक और अदाणी पोर्ट्स टॉप गेनर्स रहे। जबकि, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, बीईएल और इटरनल टॉप लूजर्स रहे। वहीं एशियाई बाजारों में बैंकॉक, चीन, जापान, सोल और जकार्ता लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि केवल हांगकांग हरे निशान में कारोबार कर रहा था। पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिका में डाउ जोंस 400.17 अंक की बढ़त के साथ 44,494.94 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 6.90 अंक की गिरावट के साथ 6,198.05 पर बंद हुआ और नैस्डैक 166.85 अंक की गिरावट के साथ 20,202.89 पर बंद हुआ।

रुपया डॉलर के मुकाबले 83.28 पर खुला

मुंबई (एजेंसी)। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.28 के स्तर पर खुला। यह शुरुआती स्तर है और बाजार में दिन भर उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। वहीं स्थानीय शेयर बाजार में मजबूती और मानसून की प्रगति से कीमतों में स्थिरता बनने रहने की संभावनाओं के बीच विदेशी करेंसी बाजार में भारतीय रुपया मंगलवार को अमेरिकी डालर के मुकाबले 25 पैसे मजबूती के साथ बंद हुआ।

सोना 97,200 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी 1,06,600 रुपए के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में सुस्ती देखने को मिल रही है। बुधवार के कारोबार में घरेलू बाजार में दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। इस समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 97,200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,06,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में भाव लुढ़क गए। चांदी गिरावट के साथ ही खुली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 9 रुपये की गिरावट के साथ 97,242 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,251 रुपये था। इस समय यह 64

रुपये की गिरावट के साथ 97,187 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 97,242 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 97,157 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 29 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,684 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,06,713 रुपये था। इस समय यह 96 रुपये की गिरावट के साथ 1,06,617 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,0,6,690 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,0,6,617 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोना 3,350 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,349.80 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 1.10 डॉलर की गिरावट के साथ 3,348.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.08 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 36.23 डॉलर था। इस समय यह 0.04 डॉलर की गिरावट के साथ 36.19 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

महिंद्रा की पॉपुलर ऑफरोड एसयूवी थार ने बनाई मजबूत पकड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बाजार में महिंद्रा एंड महिंद्रा की पॉपुलर ऑफरोड एसयूवी थार अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है। बिक्री के मामले में यह मारुति जिम्नी से कहीं आगे निकल चुकी है। फिलहाल थार सिर्फ आईसीई इंजन वेरिएंट में बिक रही है, लेकिन ग्राहकों में इसके इलेक्ट्रिक वर्जन को लेकर खासा उत्साह है। महिंद्रा पहले ही पुष्टि कर चुकी है कि थार को इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के साथ भी लॉन्च किया जाएगा। कंपनी हाल के वर्षों में स्वतंत्रता दिवस जैसे मौकों पर अपने नए मॉडलों और भविष्य की योजनाओं का खुलासा करने की परंपरा निभा रही है। आने वाले सालों में महिंद्रा अपने रेगुलर आईसीई और इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए कई नए मॉडल पेश करने की तैयारी में है। कुछ कॉन्सेप्ट पहले ही प्रदर्शित किए जा चुके हैं लेकिन कंपनी के पास कई ऐसे प्रोजेक्ट भी हैं जो अभी तक पर्दे के पीछे हैं। इसी बीच, इंटरनेट पर हाल ही में एक नए प्रोटोटाइप की स्पाई तस्वीरें वायरल हुई हैं। यह नियर-प्रोडक्शन मॉडल कई दिलचस्प डिजाइन डीटेल्स दिखा रहा है। इसमें सीधा फ्रंट फेसिया, स्कॉर्पियो जैसी वर्टिकल ग्रिल स्लैट्स और बॉक्सी बॉडीवर्क महिंद्रा की पहचान बताता है। साथ ही इसका डिजाइन दक्षिण अफ्रीका में दिखाए गए थार.ई कॉन्सेप्ट से मेल खाता नजर आता है। स्पेयर व्हील के साथ फ्लैट टेलगेट, ऊंचे पिलर और रूफलाइन इसके इलेक्ट्रिक वर्जन की तरफ इशारा करते हैं। हालांकि, कुछ जानकार इसे अगली पीढ़ी के बोलेरो नियो से भी जोड़ रहे हैं। तस्वीरों में स्वूपिंग बोनट, ट्विन पीक्स लोगो, सर्कुलर एलईडी हेडलैम्प्स, चौड़ा इंटेक वाला बम्पर और आयताकार टेललैंप्स दिख रहे हैं। यह प्रोटोटाइप पांच-द्वार वाला नजर आता है और थार रॉक्स के मुकाबले ज्यादा परिष्कृत डिज़ाइन का संकेत देता है।

श्रेयस घर की गैलरी में मां के साथ क्रिकेट खेलते दिखे

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में पंजाब किंग्स की कप्तानी करने वाले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर का घर की गैलरी में मां के साथ क्रिकेट खेलने का एक प्यारा वीडियो आया है , इसमें श्रेयस मां की गेंदबाजी पर बोल्ड होते दिख रहे हैं। ये वीडियो पंजाब किंग्स ने साझा किया है। इससें लिखा है, केवल प्रकार से बोल्ड होने पर श्रेयस को बुरा नहीं लग रहा होगा। इस वीडियो पर प्रशंसकों ने भी कई मजेदार कॉमेंट्स किए हैं। एक ने लिखा है, गेंद हो या चप्पल, मां का निशाना कभी गलत नहीं होता। सोशल मीडिया में साझा किए गए इस वीडियो में दिख रहा है कि श्रेयर घर की गैलरी में बल्लेबाजी कर रहे हैं और गेंदबाजी उनकी मां के हाथों में है। पहली गेंद फुल टॉस और अय्यर उसे खेलने में सफल होते हैं पर दूसरी गेंद पर वह विफल हो जाते हैं। गेंद उनके बल्ले के पास से निकलकर स्टंप से टकरा जाती

है। उसके बाद उनकी मां खुशी से दोनों हाथ हवा में उठाकर नाचने लगती हैं। बोलती हैं आउट। यह वीडियो जितना प्यारा है, उस पर प्रशंसकों ने भी उतना ही प्यार लुटाया है। इसके कॉमेंट भी काफी प्यारे और मजेदार हैं। एक प्रशंसक ने दिल के इमोजी के साथ लिखा, मां के जश्न को तो देखिए। एक अन्य ने लिखा, मां को कम मत समझिये वह हमेशा ही एक संपूर्ण गेंदबाज हैं।

भारत इंटरनेशनल फाइनेंशियल आर्किटेक्चर में सुधारों का समर्थन करता है - वित्त मंत्री

इंटरनेशनल फाइनेंशियल आर्किटेक्चर में सुधारों से समावेशिता और समानता को मिलेगा बढ़ावा

सेविले (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत समावेशिता और समानता को बढ़ाने के लिए मल्टीलेटेरल डेवलपमेंट बैंक (एमडीबी) सुधारों और निष्पक्ष क्रेडिट रेटिंग सिस्टम सहित इंटरनेशनल फाइनेंशियल आर्किटेक्चर में सुधारों का समर्थन करता है। वित्त मंत्री सीतारमण ने संयुक्त राष्ट द्वारा आयोजित फाइनेंसिंग फॉर डेवलपमेंट की चौथी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के दौरान तीसरी बैठक में कहा कि एमडीबी लेंडिंग दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों के साथ जोड़ा जाना चाहिए। साथ ही इसे मजबूत निगरानी फ्रेमवर्क में लाना सुनिश्चित करना चाहिए ताकि फंड का सही इस्तेमाल हो सके। उन्होंने कहा कि हम टैक्स सिस्टम को आधुनिक बनाने और अवैध

वित्तीय प्रवाह को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग का समर्थन करते हैं। भारत के व्यापक कर सुधारों और कर प्रशासन में डिजिटल परिवर्तन ने राजस्व में वृद्धि की है और अनुपालन लागत को कम किया है। हमारा मानना है कि विनियमन इनोवेशन और स्थिरता को बढ़ावा देता है। भारतीय वित्तीय प्रणाली खासकर एमएसएमई के लिए आसान ऋण और कम अनुपालन लागत के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देती है। हमने इंफ्रास्ट्रक्चर में स्टार्ट-अप और पीपीपी के लिए एक गतिशील इकोसिस्टम विकसित किया है। उन्होंने कहा कि लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों के माध्यम से हमने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है और समावेशी डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से समुदायों को सशक्त बनाया है। हम साउथ-साउथ और त्रिकोणीय सहयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एफएफडी बैठकों के दौरान यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक (ईआईबी) की अध्यक्ष नादिया कैल्विनो से मुलाकात की। बैठक के दौरान, कई मुद्दों पर चर्चा की गई, जिसमें भारत में ईआईबी के विस्तारित पोर्टफोलियो - सात मेट्रो परियोजनाएं और एक शहरी रेल परियोजना, जल और स्वच्छता जैसे अन्य क्षेत्रों में विविधता लाने जैसे मुद्दे शामिल थे।

टी20 विश्वकप के लिए 13 टीमें तय हुई

बचे हुए 22 स्थानों के लिए 22 टीमों में होगा मुकाबला

मुम्बई (एजेंसी)। अगले साल की शुरुआत में संयुक्त रुप से भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अभी तक 13 टीमें तय हो गयी हैं जबकि बचे हुए सात स्थानों के लिए 22 टीमों के बीच मुकाबला होना है। इस टूर्नामेंट में कुल 20 टीमों को खेलने का अवसर मिलेगा। हैं। इनमें से मेजबान भारत और श्रीलंका सहित कुल 13 टीमें घोषित को गयी हैं जबकि सात और टीमों की घोषणा इस साल अक्टूबर तक होगी। कनाडा की टीम ने इसके लिए क्वालीफाई कर लिया है जबकि यूरोप क्वालीफायर्स के जरिए दो टीमों पर फैसला होगा। ये टूर्नामेंट भी पिछले टूर्नामेंट के प्रारुप के अनुसार ही होगा। जिसके तहत पहले 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा। इसके बाद सुपर 8 के मुकाबले होंगे और फिर सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले जाएंगे। मेजबान के रूप में भारत और श्रीलंका को पहले दो स्थान मिले हैं। उसके बाद अगले 10 स्थानों का पिछले संस्करण में सुपर आठ क्वालीफायर और 30 जून 2024 की कट-ऑफ डेट पर टीम रैंकिंग के आधार पर

हुआ। पिछले टी20 विश्व कप 2024 में सुपर 8 में प्रवेश के कारण अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज को 2026 टी20 विश्व कप में जगह मिली। अमेरिका ने भी टॉप 8 में पाकिस्तान को हराकर प्रवेश किया था। सुपर 8 में नहीं पहुंचने के बाद भी पाक ने न्यूजीलैंड और आयरलैंड के साथ अपनी टी20ड्ड रैंकिंग के आधार पर अगले संस्करण में अपना स्थान तय किस है। अब तक भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, कनाडा, इंग्लैंड, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज ने इसके लिए प्रवेश हासिल किया है। इन टीमों के अलावा सात और टीमें इस टूर्नामेंट में खेलेंगी। एक तरह से देखा जाए तो 22 टीमों में बाकी के सात स्थानों के लिए मुकाबला होगा। एशिया और पूर्वी एशिया पेसिफिक रीजन से तीन टीमें प्रवेश करेंगी, जबकि दो-दो टीमें यूरोप क्वालीफायर और अफ्रीका क्वालीफायर से आएंगी। एशिया-ईस्ट एशिया पेसेफिक रीजन से जापान, कुवैत, मलेशिया, नेपाल, ओमान, पापुआ न्यू गिनी, कतर, समोआ और यूएई की टीमें क्वालीफायर्स खेलेंगी और इनमें से तीन टीमें सीधे टूर्नामेंट में प्रवेश करेंगी। वहीं, यूरोप क्वालीफायर्स में इटली, जर्सी, ग्वेर्नसे, नीदरलैंड और स्कॉटलैंड की टीम खेलेंगी। इनमें से दो टीमें टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेंगी।

संन्यास से पहले भारत में टेस्ट सीरीज जीतना चाहते हैं लियोन

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर नाथन लियोन ने कहा है कि अभी उनका संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। लियोन के अनुसार वह संन्यास लेने से पहले भारत में एक टेस्ट सीरीज जीतना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम बार भारत में साल 2004 में टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके बाद से ही कंगारु टीम मैच जीती है पर सीरीज अपने नाम नहीं कर पायी है। इस प्रकार टीम दो दशक से भारत में सीरीज जीतने में विफल रही है। 37 साल के हो रहे लियोन ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल ऑफ स्पिनर हैं। उन्होंने भारतीय टीम के खिलाफ 32 टेस्ट मैच खेले हैं। इन मैचों में उनको 130 विकेट भी मिले हैं पर वह कभी भी भारत में टेस्ट सीरीज जीत नहीं पाये हैं। ऑस्ट्रेलिया ने साल 2004-05 में अंतिम बार भारत में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर जीती थी पर तब लियोन टीम में शामिल नहीं थे। इसके बाद से ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत में टेस्ट सीरीज नहीं जीत पायी है। लियोन ने कहा, मैंने हमेशा ही कहा है कि मैं भारत के अलावसा इंग्लैंड में भी टेस्ट सीरीज जीतना चाहता हूं। हमें कुछ सालों में यह अवसर मिल सकता है। हमें इसके लिए लगातार टेस्ट

खेलना होगा और तय करना होगा कि हम पहले वेस्टइंडीज में जीत कर लय हासिल करें। फिर हमें अपनी धरती पर एशेज में बेहतर प्रदर्शन में आसानी होगी। एक और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल पर मेरी नजरें रहेंगी।

सिराज ने भी खोला रेस्टोरेंट

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय टीम के अधिकतर क्रिकेटर खेल के साथ ही अपना कारोबार भी कर रहे है। विराट कोहली सहित टीम के कई क्रिकेटरों ने अपने रेस्टोरेंट खोले हैं। अब इसी में एक नाम मोहम्मद सिराज का जुड़ गया है। सिराज ने अपने गृह नगर हैदराबाद में अपना पहला रेस्टोरेंट जोहारफा खोला है। इसमें मुगलई, पारसी, अरबी और चीनी व्यंजन परोसे जाएंगे। ये रेस्टोरेंट शहर के पॉश इलाके बंजारा हिल्स में है। सिराज ने अपने इस रेस्टोरेंट को लेकर कहा , 'जोहारफा मेरे दिल के काफी करीब है। हैदराबाद शहर ने मुझे नाम , पैसा और पहचान दी है। अब इस रेस्टारेंट के जरिये मैं शहर को कुछ लौटाना चाहता हूं। इससे यहां के लोगों को घर जैसा खाना परोसा जाएगा।' सिराज के अनुसार उनके रेस्टोरेंट जोहारफा में बेहद अनुभवी शेफ हैं। यहां खाने में गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाएगा। इस रेस्टारेंट की सबसे बड़ी विशेषता यह होगी कि यहां पारंपरिक खानों ध्यान दिया जाएगा। खाने के शौकीन जो लोग देश-दुनिया का बेहतरीन भोजन करना चाहते हैं, उन्हें एक बार यहां आना चाहिए। सिराज ने अब तक भारतीय टीम की ओर से 37 टेस्ट, 44 एकदिवसीय और 16 टी20 मैच खेले हैं। अभी वह भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं।

लाबुशेन एक बार फिर वापसी करेंगे – स्मिथ

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ अब खराब फार्म के कारण टीम से बाहर हुए मार्नस लाबुशेन के बचाव में उतरे हैं। स्मिथ ने कहा है कि लाबुशेन की प्रतिभा और तकनीक पर किसी को भी संदेह नहीं है और वह फार्म हासिल करने के बाद वह एक बार फिर टीम से खेलते दिखेंगे। लाबुशेन को पिछले कुछ समय से लगातार खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाहनल में भी वह रन नहीं बना पाये थे। इसी कारण लाबुशेन को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। पूर्व कप्तान के अनुसार वह अपनी तकनीक में कुछ सुधार करने के बाद फिर वापसी करेंगे।

स्मिथ ने कहा, वह बल्लेबाजी में खराब स्थिति में हैं। मेरा मानना है कि लाबुशेन ने डब्ल्यूटीसी फाइनल में बहुत अच्छे तरीके से गेंदों का सामना किया वह बड़ा स्कोर नहीं बना पाये।

इस दौरान मूवमेंट्स और बल्लेबाज का अंदाज गलत नहीं था। स्मिथ ने साथ ही कहा, जब वह ऑफ-स्टंप लाइन से ऐसा कर रहे होते हैं, तो मुझे लगता है कि वह अच्छी स्थिति में होते हैं, उनका संतुलन अच्छा होता है और उनके मूवमेंट्स भी अच्छे होते हैं। मुझे लगा कि वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच नहीं खेला है, और उनके पास कुछ चीजों पर काम करने और उसे बेहतर करने का अवसर है। इसे वह खेल के दबाव के बिना करना चाहेंगे। अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के समय वह विश्व के बेहतरीन बल्लेबाजों की बराबरी करता है। इसलिए मुझे पूरा भरोसा है कि वह एक बार फिर आगे आयेगा। डब्ल्यूटीसी फाहनल फाइनल के बाद लाबुशेन की जगह पर शामिल सैम कॉनस्टास भी अब तक अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाये हैं पर स्मिथ के अनुसार समय के साथ वह सीख जाएंगे

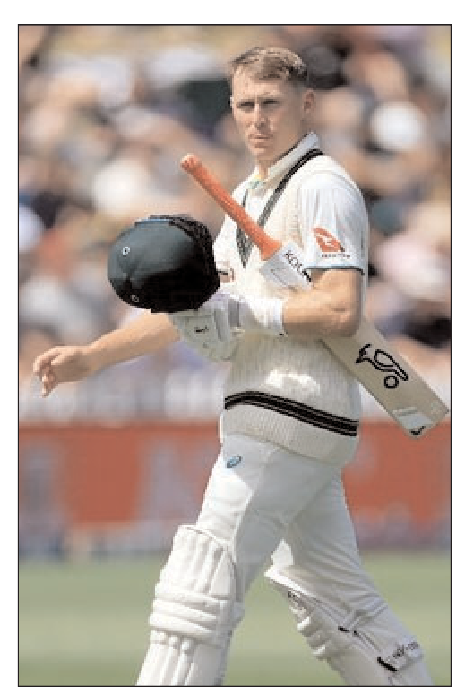

शासकीय जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद, तलवार लहराई, सोशल मीडिया पर वायरल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के सेमरिया तहसील के भमरा गांव में शासकीय जमीन पर कब्जे को लेकर बुधवार को दो पक्षों में तीखा विवाद हो गया। एक पक्ष ने ट्रैक्टर से जमीन की जुताई शुरू की, तो दूसरा पक्ष तलवार लेकर पहुंचा और हंगामा मचाया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आदिवासी परिवार ने गांव के दबंगों पर बेदखली की धमकी देने का आरोप लगाया है। विवाद तब भड़का, जब एक पक्ष ने शासकीय जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाले। पीड़ितों की शिकायत पर एडिशनल एसपी विवेक लाल के निर्देश पर थाना प्रभारी विकास कपीस ने शंकर मिश्रा और मन्नू पांडेय के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है, और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

रीवा में चाकू की नोक पर लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के सिटी कोतवाली क्षेत्र में चाकू की नोक पर लूट की सनसनीखेज वारदात हुई। [इसस] निपनिया कालिका आईटीआई के पास भिटवा निवासी मान सिंह साकेत को अज्ञात बदमाशों ने घेर लिया। आरोपियों ने चाकू दिखाकर उनकी बाइक रोकी, फोन-पे के जरिए 5 हजार रुपये ट्रांसफर कराए और जेब से 5 हजार रुपये नकद छीन लिए। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तकनीकी जांच के आधार पर दो आरोपियों, नीलकंठ तिवारी और अमित कुमार पांडेय को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी श्रृंगेश राजपूत ने बताया कि पूछताछ में दोनों ने लूट की वारदात कबूल की है। पुलिस ने आरोपियों से बाइक, मोबाइल, चाकू और लूटी गई राशि में से 7 हजार 3 सौ रुपये बरामद किए। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया गया है, और मामले की आगे की जांच जारी है।

बाणसागर पुल पर मरम्मत के बाद शहडोल-रीवा रूट पर यातायात शुरू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सोन नदी पर स्थित बाणसागर पुल पर बुधवार सुबह 4 बजे से यातायात बहाल हो गया। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद चार पहिया वाहनों और यात्री बसों को आवागमन की अनुमति दी गई है, लेकिन ट्रक और मालवाहक जैसे भारी वाहनों पर अभी रोक जारी रहेगी। पिछले एक महीने से क्षतिग्रस्त होने के कारण यह शहडोल-रीवा का प्रमुख संपर्क मार्ग बंद था, जिससे यात्रियों को लंबे और कठिन वैकल्पिक मार्गों से गुजरना पड़ रहा था। पुल बंद होने से बाणसागर क्षेत्र के स्थानीय व्यवसाय भी प्रभावित हुए थे। पुल के खुलने से क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है और यातायात के जल्द सामान्य होने की उम्मीद जताई जा रही है। शहडोल-रीवा यात्रा करने वालों को राहत मिली है, हालांकि कुछ प्रतिबंधों का पालन करना होगा।

जीतू पटवारी पर दर्ज एफआईआर के विरोध में रीवा में कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ अशोकनगर के मुंगावली थाने में दर्ज एफआईआर के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रदर्शन किया। इस दौरान ग्रामीण अध्यक्ष इंजी. राजेंद्र शर्मा और शहर अध्यक्ष लखनलाल खंडेलवाल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश के नाम रीवा पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि जीतू पटवारी पर दर्ज कथित झूठी एफआईआर को तत्काल वापस लिया जाए। पूर्व विधायक विद्यावती पटेल ने बताया कि यह कार्रवाई राजनीतिक द्वेष के तहत की गई है। उन्होंने इसकी निंदा करते हुए निष्पक्ष जांच और एफआईआर रद्द करने की मांग की।

तेजाब कांड के दोषी को सश्रम कारावास, पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के मलियान टोला में दो वर्ष पूर्व हुए तेजाब कांड के दोषी कृष्ण मुरारी सोनी को जिला न्यायालय ने 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश अशरफ अली की अदालत ने यह फैसला सुनाया। अतिरिक्त लोक अभियोजक डीएन मिश्रा ने बताया कि 13 जनवरी 2023 को किराए के मकान में रहने वाले कृष्ण मुरारी का दीपावली पर पटाखा फोड़ने को लेकर नगर निगम कर्मचारी शाहिद वाल्मीकि, निशांत वाल्मीकि, अजय वाल्मीकि और समीर वाल्मीकि से विवाद हो गया। विरोध करने पर कृष्ण मुरारी ने चारों युवकों पर तेजाब फेंककर हमला किया, जिससे वे गंभीर रूप से झुलस गए। कोतवाली पुलिस ने जांच के बाद चालान पेश किया। कोर्ट में 9 गवाहों के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर दोष सिद्ध हुआ। न्यायालय ने कृष्ण मुरारी को 10 वर्ष सश्रम कारावास की सजा के साथ-साथ पीड़ितों को अर्थदंड के रूप में मुआवजा देने का आदेश दिया है।

रीवा के ढेकहा चौराहे पर घायल मिली युवती को किया परिजनों को सुपुर्द

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के ढेकहा चौराहे पर लावारिस हालत में मिली [इसस] एक युवती को पुलिस ने उपचार के बाद उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। युवती ने होश में आने के बाद बताया कि वह अपनी सहेली से मिलने आई थी और लौटते समय सड़क पर फिसलकर गिर गई, जिससे उसे चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने उसकी मदद कर अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक बयान में युवती ने अज्ञात लोगों द्वारा मारपीट की बात कही थी, लेकिन पूरी तरह होश में आने के बाद उसने स्पष्ट किया कि वह केवल सड़क पर गिरने से घायल हुई थी। नगर पुलिस अधीक्षक ऋतु उपाध्याय ने बताया कि युवती ने किसी भी तरह की आपराधिक घटना से इनकार किया है। जांच में भी कोई संदिग्ध घटना नहीं पाई गई। वायरल वीडियो के संबंध में पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए युवती के बयान और परिजनों की मौजूदगी में जांच की। पुलिस ने पुष्टि की है, कि युवती को सामान्य चोटें आई थीं, और वह पूरी तरह ठीक है। युवती को सुरक्षित उसके परिजनों के साथ घर भेज दिया गया है।

बस ऑपरेटर्स को पुलिस और परिवहन विभाग ने दिए सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में पुलिस और परिवहन विभाग ने बस ऑपरेटर्स और ट्रांसपोर्टर्स के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। यह बैठक पुलिस कंट्रोल रूम में हुई, जिसमें पुलिस अधिकारियों और परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बस ऑपरेटर्स को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने बताया कि बारिश के मौसम में संभावित दुर्घटनाओं और सामान्य हादसों को रोकने के लिए यह बैठक बुलाई गई थी। बैठक में बस ऑपरेटर्स को सभी नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए। खास तौर पर बारिश के दिनों में लापरवाही न बरतने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई। बस संचालकों को पानी से भरे रपटों को पार न करने और यात्रियों के जीवन को खतरे में न डालने के लिए कहा गया। साथ ही, सभी मानकों का पालन करने पर जोर दिया गया।

बैठक के दौरान बस ऑपरेटर्स ने अपनी समस्याएं भी अधिकारियों के सामने रखीं। उन्होंने शहर में चलने वाले ऑटो और ई-रिक्शों को एक बड़ी समस्या बताया, जो पूरे दिन शहर में चलते हैं और जाम का कारण बनते हैं। इसके अलावा, परमिट से संबंधित समस्याओं का भी जिक्र किया गया।

जिले में अब तक 138.2 मिमी वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में 2 जुलाई को 6.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक 15 मिमी वर्षा मनगवां तहसील में दर्ज की गई। जिले में एक जून से अब तक 138.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। इस संबंध में अधीक्षक भू-अभिलेख महेन्द्र श्रीवास्तव ने बताया कि अब तक तहसील हुजूर में 161.4 मिमी, रायपुर कर्चुलियान में 106.5 मिमी, गुढ़ में 215 मिमी, सिरमौर में 175.8 मिमी, त्योंथर में 55 मिमी, सेमरिया में 155 मिमी, मनगवां में 142 मिमी तथा जवा में 95 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 62.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी थी।

तेज रफ्तार कार ड्रायवर ने मचाया कहर, ई-रिक्शा चालक की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत एजी कॉलेज चौराहे पर बीती रात एक तेज रफ्तार कार ने जमकर कहर मचाया। कार चालक ने पहले एक टू-व्हीलर वाहन को टक्कर मारी और फिर एक ई-रिक्शा को जोरदार ठोकर मार दी, जिससे ई-रिक्शा चालक सोनू कुशवाहा, निवासी दुवारी की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक के भाई वीरेंद्र कुशवाहा ने बताया कि नीले रंग की स्विफ्ट कार तेज रफ्तार में थी और चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए पहले टू-व्हीलर और फिर ई-रिक्शा को टक्कर मारी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार ई-रिक्शा में फंस गई। हादसे के बाद सोनू कुशवाहा को तत्काल संजय गांधी अस्पताल लाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने कार को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दुर्घटनाएं रोकने के लिए क्योंटी जलप्रपात में दी जा रही चेतावनी

रील बनाने और फोटो खींचने के लिए गहरे पानी में न जाएं पर्यटक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अच्छी बारिश होने के साथ ही जिले के जलप्रपातों के सौंदर्य में निखार आ गया है। इन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक जलप्रपातों में पहुंच रहे हैं। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए जलप्रपातों में संकेतक बोर्ड लगाने के साथ-साथ ग्राम पंचायत द्वारा लाउडस्पीकर से चेतावनी दी जा रही है।

इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गंगेव प्राची चौबे ने बताया कि क्योटी जलप्रपात में कई स्थानों पर पत्थरों में चेतावनी अंकित कराई गई है। जिन स्थानों में जाने पर दुर्घटना हो सकती है उससे पहले चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं। बोर्ड ऐसे स्थानों पर लगाए जा रहे हैं जहाँ आमजनता की दृष्टि आसानी से चली जाए। ग्राम पंचायत द्वारा पर्यटकों को गहरे पानी और कुण्ड में न जाने की लगातार चेतावनी दी जा रही है। क्योटी जलप्रपात में आने वाले कई अंजान पर्यटक भूलवश गहरे पानी में उतरकर अपना जीवन दांव पर लगा देते हैं। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए जगह-जगह बोर्ड लगाए गए हैं। इसके साथ-साथ आसपास के पत्थरों पर भी चेतावनी दर्ज की गई है। पर्यटक निश्चित दूरी से ही चाइई जलप्रपात को देखने का आनंद लें। रील बनाने, फोटो खींचने के लिए गहरे पानी में जाने का दुस्साहस न करें। इससे आपके जीवन में संकट आ सकता है।

नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर में शिक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 31 मई से प्रारंभ हो चुकी है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई निर्धारित की गई है। इच्छुक विद्यार्थी किसी भी ऑनलाइन सेंटर अथवा मोबाइल के माध्यम से प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है। इस संबंध में विद्यालय के प्राचार्य मनीष तिवारी ने बताया कि विद्यार्थी को रीवा अथवा मऊगंज जिले के शासकीय विद्यालय अथवा मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय में कक्षा 5 में अध्ययरत एवं रीवा अथवा मऊगंज जिले का निवासी होना चाहिए। विद्यार्थी ने कक्षा 3 और 4 की निरंतर पढ़ाई शासकीय अथवा मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय से पूर्ण शिक्षण सत्र में उत्तीर्ण की हो तथा वर्तमान में कक्षा 5 में अध्ययनरत हो। विद्यार्थी 29 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कक्षा में आगामी सत्र में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 13 दिसम्बर को रीवा और मऊगंज जिले के सभी विकासखण्ड मुख्यालय में आयोजित की जाएगी।

कलेक्टर को भेंट किया गया प्रशस्ति पत्र और मेडल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए रीवा जिले द्वारा सशस्त्र सेना झण्डा दिवस कोष में निर्धारित लक्ष्य से अधिक सहयोग राशि देने पर राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा कलेक्टर रीवा को सम्मानित किया गया। राज्यपाल द्वारा प्रदत्त प्रशस्ति पत्र एवं मेडल कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर प्रतिभा पाल को जिला सैनिक कल्याण अधिकारी सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल पी. गंगा ने भेंट किया। रीवा जिले के लिए 8 लाख 88 हजार 800 रुपए का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। रीवा जिले में वर्ष 2023 में 8 लाख 90 हजार 198 रुपए की सहयोग राशि सैनिक कल्याण कोष में जमा की गई।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस उपचार की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। देश में सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं को रोकने के लिये सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर निर्देश जारी किए जाते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी सम्पूर्ण देश में नियमित मॉनीटरिंग कर राज्यों से रिपोर्ट प्राप्त करते हुए सड़क सुरक्षा संबंधी विभिन्न योजनाओं एवं सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से जारी गाइड-लाइन्स की समीक्षा कर सर्वोच्च न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत करती है। परिवहन सचिव सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिये नगदी रहित उपचार योजना के क्रियान्वयन के लिये कलेक्टर्स को निर्देश भी जारी किये हैं। निर्देशों में बताया गया है कि यह स्कीम और गाइड-लाइन्स मई-2025 और जून-2025 में जारी हुई हैं। इसी के साथ मंत्रालय द्वारा यूजर मैनेजमेंट पोर्टल भी जारी किया गया है। निर्देशों में बताया गया है कि सड़क दुर्घटना प्रकरणों में जहाँ दोषी मोटरयान के पास वैध तृतीय पक्ष बीमा कव्हरेज था, उसका भुगतान केन्द्र सरकार द्वारा साधारण बीमा कम्पनियों के सहयोग से बनाये गये फण्ड से स्टेट हेल्थ एजेंसी (एसएचए) द्वारा अस्पताल के दावे को मंजूरी दिये जाने के 10 दिनों की समयावधि में जिला कलेक्टर्स के अनुमोदन से जिला स्तर पर ही केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित फण्ड से किया जायेगा। योजना में अस्पताल से दुर्घटना तारीख से अधिकतम 7 दिनों की अवधि में प्रति व्यक्ति के लिये एक लाख 50 हजार रूपये तक के उपचार की व्यवस्था है। दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति या उसका परिवार दुर्घटना का विवरण हेल्पलाइन नम्बर 112 में खबर दे सकता है।

परिवहन सचिव द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि योजना के क्रियान्वयन के लिये किसी अधीनस्थ अधिकारी को जिम्मेदारी देते हुए इसकी नियमित मॉनीटरिंग जिला स्तर पर की जाये।

दिव्यांगों को कृत्रिम उपकरण वितरण शिविर बारिश के बाद करें आयोजित - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र की प्रबंध समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि दिव्यांगों के कल्याण से जुड़ी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए सामाजिक न्याय विभाग तथा जिला रेडक्रास समिति मिलकर प्रयास करें। जिले के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित करें। जिले में कृत्रिम उपकरण के पात्र दिव्यांगों का चयन करके उन्हें कृत्रिम उपकरण प्रदान करने के लिए बारिश के बाद शिविर आयोजित करें। जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र के भवन निर्माण के लिए उपयुक्त स्थल पर रिक्त भूमि का चयन करके आवंटन के लिए ऑनलाइन आवेदन कराएं। कलेक्टर ने कहा कि निरामय बीमा योजना का लाभ देने के लिए पात्र दिव्यांगों का चयन कर लें। निर्धारित प्रीमियम की राशि जमा कराकर दिव्यांगों को बीमा सुरक्षा का लाभ दें। बैठक में लीगल गार्जियनशिप के 8 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में 10 किलोवाट तथा वृद्धाश्रम में 5 किलोवाट का सोलर पैनल लगाने, फिजियोथेरेपिस्ट के पद पर नियुक्ति तथा जिला रेडक्रास समिति की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में कलेक्टर ने वृद्धाश्रम संचालन के लिए अनुदान राशि के भुगतान तथा दिव्यांगों के पंजीयन के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में जिला रेडक्रास समिति के अध्यक्ष डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी तथा सचिव विनोद कुमार श्रीवास्तव ने समिति के कार्यों की जानकारी दी। संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे ने बैठक में विभागीय योजनाओं तथा दिव्यांग शिविरों के संबंध में जानकारी दी। बैठक में सिविल सर्जन डॉ प्रतिभा मिश्रा, उपाध्यक्ष जिला रेडक्रास समिति एके खान, महाप्रबंधक उद्योग जेपी तिवारी, अधिवक्ता संतोष अवधिया, प्रशासनिक अधिकारी डीडीआरसी सुरेन्द्र सिंह, प्रशांत जैन, ट्रस्ट के प्रतिनिधि शशिभरमणि त्रिपाठी तथा समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

महापौर अजय मिश्रा ने की विभागीय समीक्षा, विकास कार्यों का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महापौर अजय मिश्रा ने नगर निगम कार्यालय में विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की, जिसमें निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे सहित सभी विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में महापौर ने विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने वर्षा के बाद सीवर व जल आपूर्ति पाइपलाइन बिछाने से उत्पन्न समस्याओं और नागरिक शिकायतों का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए। नालियों में मिट्टी भराव के कारण जल निकासी की समस्या को देखते हुए मैन्युअल सफाई पर जोर दिया और ढोला पाइप से ड्रेनेज निर्माण के लिए एस्टीमेट तैयार करने का आदेश दिया। अवैध कॉलोनियों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखने और कॉलोनी विकास नियमों के लिए शासन को सुझाव भेजने की बात कही। साथ ही, शहर की स्वच्छता और कचरा उठाव व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नियमित निगरानी के निर्देश दिए। बैठक में एमआईसी सदस्य धनेंद्र सिंह बघेल, उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, एमएस सिद्दीकी, कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, एचके त्रिपाठी, सहायक आयुक्त रामनरेश तिवारी, केएन साकेत, सहायक यंत्री एसके गर्ग, अम्बरीष सिंह, पीएन शुक्ला, और राजेश मिश्रा उपस्थित रहे।

निगम आयुक्त ने जलजमाव और सड़क समस्याओं के समाधान के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने वार्ड क्रमांक 15 का भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने वर्षा से उत्पन्न जलजमाव, नालों की सफाई, और सड़क स्थिति का जायजा लिया। शारदापुरम में बंधन मैरिज गार्डन के पास सीवरेज कार्य के लिए बैरिकेडिंग और रेस्टोरेशन, गड़रिया रोड पर 3 दिन में सीवरेज कार्य पूर्ण कर गुणवत्ता युक्त रोड रेस्टोरेशन, और तिवारी होटल के पीछे जलप्लावन की समस्या के लिए ड्रेनेज निर्माण हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। अनुज्ञा के विपरीत निर्माण पर समयपाल को नोटिस जारी करने और लालन टोला में कीचड़ की समस्या के समाधान के लिए गुणवत्ता युक्त सामग्री डालकर समतलीकरण के आदेश दिए। निरीक्षण में पूर्व पार्षद अशोक पटेल, कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह, एचके त्रिपाठी, सहायक यंत्री अम्बरीष सिंह, एसएन द्विवेदी, पीएन शुक्ला और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बकायादारों पर नगर निगम की सख्ती, शुल्क जमा न करने पर होगी तालाबंदी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम ने बकाया संपत्तिकर न चुकाने वाले बड़े बकायादारों पर कार्रवाई तेज कर दी है। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर राजस्व विभाग ने जोनवार बकायादारों की सूची तैयार कर अंतिम नोटिस जारी किए। जोन क्रमांक 03 में 12 बकायादारों (1 लाख से अधिक बकाया) में सोमवती गुप्ता (2,77,487 रुपये), सरस्वती स्कूल (2,66,965 रुपये), लीला सिंह (2,38,521 रुपये) आदि शामिल हैं। जोन क्रमांक 04 में बफ्त मस्जिद माजार इन्तजामिया कमेटी (3,05,740 रुपये) सहित 21 बकायादारों को नोटिस दिए गए। निर्धारित समय में भुगतान न करने पर तालाबंदी की कार्रवाई होगी।

विकास कार्यों का महापौर ने किया भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। महापौर अजय मिश्रा की उपस्थिति में वार्ड क्रमांक 25, विवेकानंद नगर में सीवरेज एसटीपी प्लांट के पास निर्मित पुलिया तक आरसीसी सड़क, डिवाइडर और पेवर ब्लॉक कार्य (लागत 74.39 लाख रुपये) का भूमिपूजन लक्ष्मण द्विवेदी ने किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चकघर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।